राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 16 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–230 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखीमपुर कांड में रेप और मर्डर का केस दर्ज, पेड़ से लटका मिला था दलित बहनों का शव; हिरासत में 4 संदिग्ध

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में बीती रात एक दलित समुदाय की दो बहनों के पेड़ से लटके पाए जाने के बाद जमकर हंगामा हुआ। इस मामले में परिवार ने लड़कियों को जबरन उठाकर ले जाने और हत्या का आरोप लगाया।

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में बीती रात एक दलित समुदाय की दो बहनों के पेड़ से लटके पाए जाने के बाद जमकर हंगामा हुआ। इस मामले में परिवार ने लड़कियों को जबरन उठाकर ले जाने और हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं अपर एसपी अरुण कुमार सिंह, लखीमपुर खीरी के मुताबिक लखीमपुर कांड में बलात्कार, हत्या और बाल शोषण का मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में एक नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों का जिक्र है। लड़कियों की मां ने मीडिया और पुलिस को बताया है कि आरोपी उनकी बेटियों को जबरन मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले गए।

लड़कियों की मां ने आरोप लगाया है कि जब उसने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। परिवार और गांव वालों ने बाद में लड़कियों की तलाश की और उनके शव एक पेड़ से लटके मिले। महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटियों के साथ रेप किया गया और फिर उनकी हत्या कर दी गई। आरोपियों पर हत्या और बलात्कार से संबंधित आईपीसी की धाराओं और पॉक्सो के तहत आरोप लगाए गए हैं।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक लक्ष्मी सिंह ने कहा कि लड़कियां अपने ही दुपट्टे से लटकी हुई पाई गईं और कोई चोट के निशान नहीं हैं। शवों का पोस्टमार्टम होना बाकी है। बुधवार देर रात गांव वालों और परिवार ने जमकर हंगामा और विरोध प्रदर्शन भी किया। गांव वालों से तीखी नोकझोंक के बाद, पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में सफल रही।

50 साल की महिला को 17 साल के लड़के से हुआ इश्क, फिर ऐसा किया कि हो रही चर्चा

अपर एसपी अरुण कुमार सिंह, लखीमपुर खीरी के अनुसार थाने में दी परिजनों की तहरीर में उसी गांव के छोटू और तीन अज्ञात पर केस दर्ज किए गए हैं। इन पर बहनों का अपहरण, रेप और हत्या का आरोप लगा है। वहीं शवों के पोस्टमार्टम की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक टीम सभी पहलुओं की जांच करेगी। साथ ही अपर एसपी अरुण कुमार सिंह, लखीमपुर खीरी ने कहा कि पुलिस ने देर रात गांव वालों के विरोध के बाद छोटू और तीन अन्य को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

● लड़कियों की मां ने आरोप लगाया है कि जब उसने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। परिवार और गांव वालों ने बाद में लड़कियों की तलाश की और उनके शव एक पेड़ से लटके मिले। महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटियों के साथ रेप किया गया

बेतवा नदी के बीच टापू पर फंसे तीन बच्चों सहित 5 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

ललितपुर। ललितपुर जिले के तालबेहट के पास स्थित ग्राम थानागांव के निकट बेतवा नदी के बीच टापू पर फंसे तीन बच्चों सहित पांच लोगों को प्रशासन ने रेस्क्यू कर देर रात 10 बजे सुरक्षित निकाल लिया है। 2 घंटे चले रेस्क्यू के दौरान सुरक्षा दल को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सभी लोगों को सुरक्षित निकालने जाने पर ग्रामीणों ने प्रशासन का आभार जताया है। बुधवार सुबह तीन बच्चे सहित 5 लोग बकरियां चराने के लिए बेतवा नदी के बीच स्थित टापू पर गए थे। इसी दौरान अचानक माताटीला बांध से पानी छोड़ दिया गया, जिसके कारण बेतवा नदी उफान पर आ गई। इन लोगों में कोतवाली तालबेहट क्षेत्रान्तर्गत ग्राम थानागांव के मजरा प्यासी निवासी अमित सेन पुत्र रामरतन (13), अमित पुत्र रज्जू लाल (18), जितेन्द्र पुत्र मुकेश कुशवाहा (14), अवधेश पुत्र विनोद कुशवाहा (13), दिनेश पुत्र भगवानदास (25) शामिल हैं।

वीरवार सुबह बकरियां लेकर ये बेतवा नदी के किनारे गए हुए थे, दोपहर में वे बेतवा नदी के बीच में स्थित टापू पर बकरियों को लेकर चले गए तभी अचानक 3 बजे के दरम्यान माताटीला बांध में पानी की भारी आवक के चलते 12 गेट खोलकर 50 हजार क्यूसिक पानी छोड़ दिया गया। इसके चलते बेतवा नदी उफान पर आ गई और पानी धीरे-धीरे टापू के ऊपर की ओर आने लगा। जिससे टापू पर फंसे तीनों बच्चों सहित पांचों लोग घबरा गए और उन्होंने इसकी सूचना मोबाइल से परिजनों, गांव वालों व प्रशासन को दी। इधर शाम 6 बजे सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया और जिलाधिकारी आलोक सिंह ने एनडीआएफ टीम सहित अधिकारियों को मौके पर भेजा, जिसके बाद रात 8 बजे घटनास्थल पर उपजिलाधिकारी तालबेहट तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अभियंता दिवस पर विश्वेश्वरैया को किया याद

● प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, सभी इंजीनियरों को इंजीनियर्स डे की बधाई। हमारा देश धन्य है कि हमारे पास कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियरों का एक पूल है जो राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। हमारी सरकार अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के निर्माण सहित इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अभियंता दिवस के मौके पर प्रख्यात अभियंता सर एम विश्वेश्वरैया को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, सभी इंजीनियरों को इंजीनियर्स डे की बधाई। हमारा देश धन्य है कि हमारे पास कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियरों का एक पूल है जो राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। हमारी सरकार अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के निर्माण सहित इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, इंजीनियर्स डे पर, हम सर एम. विश्वेश्वरैया के पथप्रदर्शक योगदान को याद करते हैं। वह भविष्य के इंजीनियरों की पीढ़ियों को खुद को अलग करने के लिए प्रेरित करते रहें। मैं पिछले मन की बात कार्यक्रमों में से एक का एक अंश भी साझा कर रहा हूं जहां मैंने इस विषय पर बात की थी।

महाराष्ट्र को गुजरात के मुकाबले एक और झटका, दवा प्रोजेक्ट भी छिना; आदित्य ठाकरे का दावा

मुंबई। वेदांता और फॉक्सकॉन के सेमीकंडक्टर तैयार करने संयुक्त प्रोजेक्ट के महाराष्ट्र की बजाया गुजरात चलाने पर सूबे में सियासत तेज है। विपक्षी दलों की ओर से इसे लेकर एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधा जा रहा है। वहीं शिंदे सरकार ने इसे लेकर उद्धव ठाकरे पर ही हमला बोला है। एकनाथ शिंदे गुट ने कहा कि उद्धव सरकार के कार्यकाल में इस प्रोजेक्ट को लेकर तेजी और उत्साह नहीं दिखाया गया। इसी के चलते यह महाराष्ट्र से छिन गया और गुजरात चला गया। अब शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने नया दावा करते हुए शिंदे सरकार पर अटैक किया है। आदित्य ठाकरे का दावा है कि महाराष्ट्र में लगने वाला 3,000 करोड़ रुपये का दवा प्रोजेक्ट भी छिन गया है और इसे भी गुजरात ले जाया जा रहा है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि इसका कारखाना रायगढ़ में लगना था और इससे 80,000 लोगों को नौकरी मिल सकती थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह अवैध सरकार है। पहले तो यह शिवसेना के 40 विधायकों को गुजरात ले गई थी और अब इसने दो बड़े प्रोजेक्ट्स को भी महाराष्ट्र से गुजरात भेज दिया है। रायगढ़ में लगने वाला 3,000 करोड़ रुपये का दावा कारखाना भी गुजरात ले जाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से महाराष्ट्र में 80 हजार नौकरियां निकल सकती थीं। आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह तो खोखे से बनी सरकार है। इस सरकार ने जो प्रोजेक्ट्स महाराष्ट्र में आने थे, उन्हें छिन जाने दिया। लेकिन जिनकी जरूरत नहीं है, उन प्रोजेक्ट्स को महाराष्ट्र में लॉन्च किया जा रहा है। बता दें कि गुजरात में अहमदाबाद के पास 1.54 लाख करोड़ की लागत से सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की तैयारी है। इससे भारत सेमीकंडक्टर्स के मामले में आत्मनिर्भर बन सकेगा। इसके अलावा मोबाइल, कार जैसी चीजों के उत्पादन की लागत में भी कमी आ सकेगी। इसे कारोबारी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

आईएमडी की भविष्यवाणी-

बिहार-यूपी और उत्तराखंड में 17 सितंबर तक होगी बारिश, हिमाचल में भी बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। अगले कुछ दिनों तक बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह चेतावनी जारी की है। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के आसपास चक्रवाती परिसंचरण के साथ कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ने की संभावना है। यह उत्तर-पूर्व की ओर भी जा सकता है। इस वजह से 17 सितंबर तक अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके प्रभाव में 15 और 16 सितंबर को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, इन दोनों राज्यों में भी 17 सितंबर को भी हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश में आज अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है। 16 और 17 सितंबर तक यहां

भारी बारिश के आसार हैं। हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में भी आज व्यापक रूप से हल्की बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में 16 और 17 सिंतबर को बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सौराष्ट्र और कच्छ में आज बारिश की संभावना जताई गई है।

कनाडा में मंदिर की दीवार पर लिखा 'खालिस्तान जिंदाबाद', भड़का गुस्सा

नई दिल्ली। कनाडा स्थित स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी बातें लिखने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक ना सिर्फ ऐसा किया गया है बल्कि मंदिर की दीवार को कुछ को नुकसान भी पहुंचाया गया है। अराजक तत्वों द्वारा मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी लाइनें लिखी गई हैं। इस मामले को लेकर भारत सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने अपने एक ट्वीट में लिखा कि टोरंटो के स्वामी नारायण मंदिर को नुकसान पहुंचाने और भारत विरोधी

बातें लिखने की घटना की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराया गया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है। फिलहाल भारतीय उच्चायोग ने इस मामले को कनाडा के अधिकारियों के समक्ष उठाते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इस घटना को किसी शख्स ने या किसी संगठन से जुड़े लोगों ने किया है। बताया जा रहा है कि मंदिर की दीवारों पर भारत के विरोध में खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे गए। इस मामले के सामने आने के बाद कनाडा की सांसद सोनिया सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा कि टोरंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुई घटना से मैं व्यथित हूं। हम एक बहुसांस्कृतिक और बहुधर्मी देश में रहते हैं जहां हर कोई सुरक्षित महसूस करने का हकदार है। जिम्मेदार लोगों को खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने निराशा व्यक्त करते हुए लिखा कि इस तरह की नफरत का कोई स्थान नहीं है। आशा करते हैं कि जिम्मेदार अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस पूरे मामले पर भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने कहा कि कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है। कनाडा के हिंदू मंदिरों को हाल के दिनों में इस तरह के कई घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। इन घटनाओं को लेकर कनाडा के हिंदुओं की चिंताएं जायज हैं।

ईडब्ल्यूएस कोटे के विरोध पर सुप्रीम कोर्ट बोला- आर्थिक आधार पर नीति बनाने में क्या गलत है?

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले ईडब्ल्यूएस आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि किसी वर्ग तक सरकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए आर्थिक आधार पर नियम तय करने को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। दरअसल अदालत में आरक्षण को चुनौती देने वालों के वकील का कहना था कि संविधान में आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का कोई प्रावधान नहीं है। यह सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए व्यवस्था थी। इसका मकसद गरीबी हटाओ योजना चलाना नहीं है। इस पर अदालत ने यह अहम टिप्पणी की है। ऐसे में अदालत के रुख से यह माना जा रहा है कि शायद ईडब्लयूएस कोटा बरकरार रहेगा।

कई वकीलों ने चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष दलील दी कि किसी परिवार की वित्तीय स्थिति के एकमात्र मानदंड के आधार पर ईडब्ल्यूएस कोटा तय करना असंवैधानिक है। संविधान के तहत इस तरह के आरक्षण को गरीबी उन्मूलन योजना के हिस्से के तौर पर मंजूर नहीं किया जाता है। वकीलों ने कहा कि ईडब्ल्यूएस कोटा पूरी तरह से अनुचित,

किसी परिवार की वित्तीय स्थिति के एकमात्र मानदंड के आधार पर ईडब्ल्यूएस कोटा तय करना असंवैधानिक है।

मनमाना, अवैध और असंवैधानिक है और इंदिरा साहनी या मंडल कमीशन मामले में न्यायालय के फैसले को पलटने के लिए सरकार के 'विधायी निर्णय' की श्रेणी में आता है। इस केस की सुनवाई करने वाले जजों में चीफ जस्टिस के अलावा न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला भी शामिल हैं। आंकड़ों का जिक्र करते हुए वकील रवि वर्मा कुमार ने कहा कि ओबीसी, एससी और एसटी की आबादी 85 फीसदी है और उन्हें करीब 50 फीसदी कोटा दिया जा रहा है और पांच फीसदी ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी कोटा मिलेगा। एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने ईडब्ल्यूएस कोटा का विरोध करते हुए कहा कि इसे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। गौरतलब है कि 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस कोटा एससी, एसटी और ओबीसी के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण के अतिरिक्त है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

केरल में कांग्रेस की सरकार कई बार बन चुकी है। उसकी टक्कर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से हुआ करती है लेकिन इस यात्रा के दौरान सारा जोर भाजपा के विरुद्ध रहा है जबकि केरल में भाजपा की उपस्थिति नगण्य है। दक्षिण के जिन अन्य राज्यों में भी यह यात्रा जाएगी, क्या कांग्रेस का निशाना भाजपा पर ही रहेगा?

राहुल करे कुछ गांधी-जैसा

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अभी तो केरल में ही चल रही है। राहुल गांधी इसका नेतृत्व कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान भीड़-भाड़ भी ठीक-ठाक ही है। लेकिन सवाल यह भी है कि देश के जिन अन्य प्रांतों से यह गुजरेगी, क्या वहां भी इसमें वैसा ही उत्साह दिखाई पड़ेगा, जैसा कि केरल में दिखाई पड़ रहा है? केरल में कांग्रेस ही प्रमुख विरोधी दल है और खुद राहुल वहीं से सांसद चुने गए हैं। केरल में कांग्रेस की सरकार कई बार बन चुकी है। उसकी टक्कर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से हुआ करती है लेकिन इस यात्रा के दौरान सारा जोर भाजपा के विरुद्ध रहा है जबकि केरल में भाजपा की उपस्थिति नगण्य है। दक्षिण के जिन अन्य राज्यों में भी यह यात्रा जाएगी, क्या कांग्रेस का निशाना भाजपा पर ही रहेगा? यदि भाजपा को सत्तामुक्त करना ही इस यात्रा का लक्ष्य है तो इसका सबसे ज्यादा जलवा तो गुजरात में दिखाई पड़ना चाहिए था लेकिन यह भारत जोड़ो यात्रा अपने आप को गुजरात से भी नहीं जोड़ पा रही है। गांधी और सरदार पटेल के गुजरात में भी कांग्रेस की जड़ें हिलने लगी हैं। वहां भी अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी के नगाड़े बजने लगे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वे राज्य तो राहुल के लिए भीड़ जुटाने में जमीन-आसमान एक कर देंगे लेकिन जिन राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें हैं, वहां यदि कांग्रेस कुछ जलवा दिखा सके तो माना जाएगा कि भारत जुड़े न जुड़े, कांग्रेस तो कम से कम जुड़ी रहेगी। इस भारत-जोड़ो यात्रा की नौटंकी में आत्म प्रचार और कांग्रेस बचाओ के अलावा क्या है? इस यात्रा के दौरान भारत के लोगों को कौनसा संदेश मिल रहा है? भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निंदा के अलावा कांग्रेसी नेता क्या कर रहे हैं? यह काम तो वे दिल्ली में बैठे-बैठे करते ही रहते हैं। उनके पास न तो कोई नया संदेश है, न अभियान है और न ही भारत के नव-निर्माण का कोई नक्शा है। जिन शहरों और गांवों से यह यात्रा गुजर रही है, उनके लोगों को कुछ नए संकल्प लेने की प्रेरणा क्या कांग्रेसी नेता दे रहे हैं? वे खुद ही संकल्पहीन हैं। वे लोगों को नए संकल्पों की प्रेरणा कैसे दे सकते हैं? इस यात्रा के दौरान यदि राहुल लाखों लोगों से ये संकल्प करवाते कि वे रिश्वत नहीं लेंगे, मिलावटखोरी नहीं करेंगे, सांप्रदायिकता नहीं फैलाएंगे, मादक-द्रव्यों का सेवन नहीं करेंगे, अपने हस्ताक्षर स्वभाषा में करेंगे आदि तो राहुल के साथ लगे उपनाम गांधी को वे थोड़ा बहुत सार्थक जरूर कर सकते थे। यदि यह 'भारत जोड़ो यात्रा' सिर्फ कांग्रेस बचाओ यात्रा बनकर रह गई तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अशुभ ही होगा।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

बंता : यार संता! अगले शुक्रवार को मेरी शादी है , सभी दोस्तों को बुलाया है। तुम भी जरूर आना।

संता : यार आऊंगा तो जरूर , लेकिन मेरे पास कोई गिफ्ट नहीं है।

बंता : यार गिफ्ट की क्या जरूरत है, बस शादी के लिए एक लड़की ले आना।

☺ ☺ ☺

एक कुंए के बारे में यह मशहूर था कि उसमें सिक्का डालकर मांगने से हर मुराद पूरी होती है।

यह सुनकर एक दंपती भी कुंए के पास पहुंचे।

पति ने सिक्का डाला और उसके बाद पत्नी जैसे ही सिक्का डालने के लिए झुकी कि कुंए में गिर गई।

पति खुशी से झूम उठा : मुझे नहीं मालूम था कि यहां मुराद इतनी जल्दी पूरी हो जाती है।

☺ ☺ ☺

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो।

आदमी : आज मेरे पास छुट्टे नहीं हैं, कल आना।

भिखारी: साहब , इस कल-कल के चक्कर में कॉलोनी में मेरे लाखों रुपये फंसे हुए हैं।

☺ ☺ ☺

सड़क सुरक्षा नीति पर गंभीर होने का वक्त

लेखक- दिनेश सी. शर्मा

चित्रांकन - संदीप जोशी

अक्सर बस स्टॉप की लोकेशन यात्रियों के लिए असुविधाजनक स्थान पर होती है और जोखिम उठाकर बस में सवार होना पड़ता है। स्काईवॉक और पैदल-पार पुल का निर्माण करने की याद बहुत बाद में आती है। इसके अलावा, जहां कहीं यह बने हैं, वहां डिज़ाइन खामियां या लोकेशन संबंधित मुश्किलों की वजह से उपयोग बहुत कम है। नगर प्रशासन और निकाय इनकी वास्तविक उपयोगिता और रखरखाव के पहलू पर ध्यान देने की बजाय बाहरी साज-सज्जा को ज्यादा तरजीह देते हैं।

पिछले हफ्ते एक बड़े उद्योगपति साइरस मिस्त्री और उनके मित्र की कार दुर्घटना में हुई विदारक मौत ने सड़क सुरक्षा पर ध्यान खींचा है। विडंबना है कि यह घटना भारत में सड़क सुरक्षा आंकड़े जारी किए जाने के एक सप्ताह बाद हुई। राष्ट्रीय अपराध आंकड़ा ब्यूरो (एनसीआरबी) डाटा के मुताबिक वर्ष 2021 में लगभग 1 लाख 55 व्यक्तियों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई है। जाहिर है, जख्मियों की संख्या अधिक यानी 3 लाख 71 हजार रही, जबकि कुल सड़क दुर्घटनाओं की गिनती 4 लाख से ऊपर है। ब्यूरो ने राज्य-वार आंकड़े और विस्तृत जानकारी में दुर्घटनाओं में शामिल वाहनों की किस्में भी बताई हैं। मीडिया खबरों में हर साल एनसीआरबी द्वारा जारी रिपोर्ट का जिक्र बस एक रिवायत भर है, जबकि शेष पूरे साल इस पर नाममात्र या किसी प्रकार की सार्वजनिक चर्चा नहीं होती। यही सही समय है जब हम सड़क सुरक्षा को महज कानून-व्यवस्था का मामला समझना बंद करें। यह एक विकास और स्वास्थ्य संबंधी विषय है। संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने पिछले साल मौजूदा दशक को 'वैश्विक सड़क सुरक्षा दशक' मनाने की घोषणा की है, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हादसों में मौतों की भारी संख्या और अपंगता के मद्देनजर सड़क सुरक्षा को 'मुख्य स्वास्थ्य चिंता' वर्ग में रखा है। किसी भी अन्य स्वास्थ्य समस्या की तरह, इस व्याधि के जोखिम अवयवों की शिनाख्त और निदान करके निपटा जा सकता है। इनमें, खराब इंजीनियरिंग से बनी सड़कें, घटिया रखरखाव और परिचालन स्थितियां, नियम लागू करवाने में उदासीनता (लेन-ड्राइविंग, गति-सीमा, नशा करके वाहन चलाना, सीट-बेल्ट और हेलमेट का अनिवार्य उपयोग इत्यादि) और समय रहते जीवनरक्षक आपातकालीन उपचार मिलना भी शामिल है। पिछले कुछ दशकों में सड़क जाल में बहुत विस्तार हुआ है- उच्चमार्ग, एक्सप्रेस-वे इत्यादि साथ ही अंतरनगरीय मार्गतंत्र जैसे कि पुल, फ्लाईओवर, सर्विस लेन वगैरह बहुत बने हैं। लेकिन सड़क सुरक्षा उपायों की रफ्तार मार्ग-विस्तार की चाल से कदमताल नहीं कर पाई। मसलन, आवागमन समय में कटौती करने हेतु कारों-ट्रकों की आवाजाही तेज बनाने को, कई जगहों पर मुख्य मार्ग में विलय होने वाली सड़कों की संख्या सीमित करते हुए एक्सप्रेस-वे बनाए गए हैं। हालांकि इन पर रफ्तार की ऊपरी सीमा तय है लेकिन लोगबाग कहीं अधिक तेज चलाते हैं, लिहाजा दुर्घटना का मौका ज्यादा बनता है। डाटा बताता है कि भारत में एक्सप्रेस-वे दुर्घटना दर शेष राष्ट्रीय और राज्य मार्ग औसत से अधिक है। नोएडा और आगरा को जोड़ने वाला 155 कि.मी. लंबा यमुना एक्सप्रेस-वे एक उदाहरण है। पुलिस के अनुसार इन तेज गति मार्गों पर विविध कारणों से दुर्घटनाओं में अधिक मौतें हुई हैं। मसलन, चालक की ऊंघ, गति सीमा उल्लंघन और उच्च मार्ग पर अनधिकृत पार्किंग। गांवों के नजदीक यथेष्ट संख्या में पैदल पार-पुल या अंडरपास न होने की वजह से लोग जोखिम उठाकर सड़क पार करते हैं। आवारा पशु भी खतरा बढ़ाते हैं, ले-बाइलेन नदारद हैं। तथापि प्रशासन को सड़क सुरक्षा सर्वेक्षण-विश्लेषण करवाना गवारा नहीं ताकि सुधारात्मक उपाय हो सकें। यमुना एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर मुंबई-पुणे, मुंबई-अहमदाबाद और चेन्नई-बंगलुरू उच्चमार्ग की भी ऐसी समीक्षाएं निरंतर करके जरूरी सुधार किए जाएं। शहरी सड़क तंत्र जैसे कि फ्लाईओवर और क्लोवर लीव्स का डिजाइन केवल इंजनचालित वाहनों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इनमें पथिक, साइकिल सवार और गैर-यांत्रिक परिवहन की कोई परवाह नहीं होती। सार्वजनिक परिवहन बस का भी ध्यान नहीं रखा जाता। अक्सर बस स्टॉप की लोकेशन यात्रियों के लिए असुविधाजनक स्थान पर होती है और जोखिम उठाकर बस में सवार होना पड़ता है। स्काईवॉक और पैदल-पार पुल का निर्माण करने की याद बहुत बाद में आती है। इसके अलावा, जहां कहीं यह बने हैं, वहां डिज़ाइन खामियां या लोकेशन संबंधित मुश्किलों की वजह से उपयोग बहुत कम है। नगर प्रशासन और निकाय इनकी वास्तविक उपयोगिता और रखरखाव के पहलू पर ध्यान देने की बजाय बाहरी साज-सज्जा को ज्यादा तरजीह देते हैं। आज भी साइकिल सवार बहुत संख्या में हैं, परंतु भारतीय शहरों में अलहदा साइकिल ट्रैक नगण्य हैं। जहां कहीं हैं भी, तो लेन मुख्य सड़क से जुदा नहीं है, नतीजतन इंजनचालित वाहन अक्सर अतिक्रमण करते हैं। भारत के शहरों में अलग साइकिल ट्रैक की जरूरत केवल मौजमस्ती की साइकिलिंग के लिए नहीं बल्कि रोजाना उपयोग के लिए है। स्थानीय निकाय गैर-जरूरी सौंदर्यीकरण, जैसे कि फ्लाईओवर के नीचे सेल्फी प्वाइंट्स और मार्गों के किनारे विविध सजावटी रेलिंग-फर्नीचर या फव्वारे इत्यादि पर अच्छा-खासा धन खर्च करते हैं, इसकी बजाय, पैदल और साइकिल सवार मित्र ट्रैक बनाकर, सुरक्षा यकीनी करनी चाहिए। ट्रॉमा केयर एक अन्य तुरंत ध्यान की विषयवस्तु है। सही जगह पर स्थित एक पूर्ण-सुसज्जित ट्रॉमा सेंटर होना जान बचाने में बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने वालों का डाटा विश्लेषण करके, इनके बीच नेटवर्क बनाने से घायल का समय रहते इलाज-देखभाल गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। दिल्ली में कुछ साल पहले शुरू की गई ट्रॉमा रजिस्ट्री ने 'गोल्डन ऑवर' के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी कि कैसे दुर्घटना के बाद त्वरित उपचार घायल को बचाया सकता है। कुछ आसान उपायों से प्रतिक्रिया समय काफी सुधारा जा सकता है, जैसे ही घायल को एम्बुलेंस में डाला जाए, मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए आसपास के सभी ट्रॉमा केंद्रों को पूर्व सूचना पहुंच जाए ताकि उपचार में देरी न हो। राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर ट्रॉमा सेंटरों को मोबाइल एप्लीकेशन तंत्र से जोड़कर, पूर्व सूचना मिलने से, त्वरित उपचार समय में कटौती और परिणाम की गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। दशकों से सरकारों ने सुरक्षा के नाम पर केवल जुबानी काम किया है। सड़क सुरक्षा सप्ताह हमेशा की तरह सतही बातों से शुरू होकर खत्म हो जाता है। वर्ष 2005 में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। खाका बनाने में दस साल लग गए, दिए गए सुझावों में एक था इस नीति के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन। वर्ष 2021 के अंत तक इसके लिए अधिसूचना जारी हो पाई। प्रस्तावित रूपरेखा के मुताबिक लगता है कि कहीं यह बोर्ड परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत एक दफ्तर बनकर न रह जाए। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने को सुझाए गए प्रावधान प्रभावी रूप से लागू करवाने के लिए बोर्ड का स्वतंत्र और शक्ति-संपन्न होना जरूरी है, वह जो वाहन, सड़क और लोगों के लिए सुरक्षा मानक विकसित करने और क्रियान्वन करवाने की क्षमता रखता हो।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

विचार मंथन

गोवा में फूट

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

कांग्रेस ने जब दक्षिण भारत से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की थी, तभी कहा गया था कि कांग्रेस पहले अपनी पार्टी जोड़ ले, भारत की बात बाद में करे, तब पूरी की पूरी कांग्रेस ने इसे भाजपा का एजेंडा बताया था। मगर पार्टी में संकट फिर सामने आ गया है। गोवा कांग्रेस के 11 में से 8 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। सभी विधायक मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ विधानसभा पहुंचे और स्पीकर रमेश तावड़कर को कांग्रेस से अलग होने की चिट्ठी सौंपी। कांग्रेस छोड़ने वाले विधायक गोवा के पूर्व सीएम दिगंबर कामत, माइकल लोबो, देलिया लोबो, केदार नाइक, राजेश फलदेसाई, एलेक्सो स्काइरिया, संकल्प अमोलकर और रोडोल्फो फर्नांडीज शामिल है। बागी विधायकों की संख्या पार्टी के कुल विधायकों की संख्या के दो-तिहाई से ज्यादा है। इस वजह से इन विधायकों पर दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को 5 साल तक पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ दिलाई थी। कांग्रेस ने इस दौरान सभी उम्मीदवारों से एक शपथ पत्र पर हस्ताक्षर भी करवाए थे। हलफनामा देते हुए विधायकों ने कहा था कि 5 साल तक पार्टी नहीं छोड़ेंगे और कांग्रेस में रहकर गोवा की जनता का सेवा करते रहेंगे। इससे पहले 2019 में कांग्रेस के 15 में से 10 विधायक भाजपा में शामिल हुए थे। इसमें नेता विपक्ष चंद्रकांत कावलेकर भी शामिल थे। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कांग्रेस के सभी बागी विधायकों को भाजपा में शामिल करवाया था। 10 मार्च 2022 को गोवा विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। इनमें कांग्रेस को 40 में से 11 सीटें मिली थीं, लेकिन 7 महीने के भीतर ही पार्टी टूट गई। इसके पीछे की वजह कांग्रेस की 3 बड़ी गलतियां है। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस ने बाहर से आने वाले माइकल लोबो को नेता प्रतिपक्ष बनाया। लोबो चुनाव से पहले ही पार्टी में शामिल हुए थे। नेता प्रतिपक्ष की रेस में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत कांग्रेस हाईकमान के इस फैसले के खिलाफ थे। उनकी नाराजगी को देखकर तय माना जा रहा था कि कांग्रेस में टूट होगी। गोवा में हार के बाद कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष गिरीश चोडनकर से इस्तीफा ले लिया, लेकिन प्रदेश प्रभारी दिनेश गुंडूराव पर कोई कार्रवाई नहीं की। गुंडूराव से पार्टी के कई सीनियर चुनाव के पहले से नाराज चल रहे थे। इसी वजह से पार्टी ने पी चिदंबरम को कांग्रेस का ऑब्जर्वर बनाकर भेजा था। गोवा कांग्रेस के नए अध्यक्ष अमित पाटकर को लेकर भी पार्टी में गुटबाजी तेज हुई थी, जिसका असर राष्ट्रपति चुनाव में दिखा। पार्टी के 4 विधायकों ने उस वक्त क्रॉस वोटिंग की थी। कांग्रेस ने इस पर भी डैमेज कंट्रोल का कदम नहीं उठाया। इसी साल जुलाई में कांग्रेस ने पार्टी विरोधी साजिश में शामिल होने का आरोप लगाकर दिगंबर कामत और माइकल लोबो पर कार्रवाई की थी। उस वक्त कांग्रेस टूट से बचने के लिए अपने 5 विधायकों को चेन्नई शिफ्ट कर दिया था। गोवा का हालिया घटनाक्रम कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक को उजागर कर रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि संगठन के स्तर पर एक गहरे संकट से गुजर रही कांग्रेस पार्टी अपने ही संकटों से कैसे उबरेगी? भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस पार्टी का एक बेहद महत्वाकांक्षी राजनीतिक अभियान है। इसके तहत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मिल कर कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा करेंगे। इस यात्रा को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी के चुनावी बिगुल के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन पार्टी इस समय जितनी आंतरिक समस्याओं से जूझ रही है, उन्हें देख कर इस समय यह कहना मुश्किल है कि अगर इस समय देश में चुनाव हो जाएं तो पार्टी अपने मुख्य प्रतिद्वंदी बीजेपी को कोई टक्कर दे सकेगी। लोक सभा में पार्टी के पास इतने सांसद भी नहीं है जिससे उसके किसी सांसद को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल सके। अपने दम पर पार्टी की सरकार सिर्फ दो राज्यों में है राजस्थान और छत्तीसगढ़। तीन और राज्यों बिहार, झारखंड और तमिलनाडु में पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। गोवा में लगभग खत्म हो गई है।

(16 सितंबर पर्यावरण जागरूकता दिवस)

विश्व ओजोन दिवस

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

1994 , संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, 1987 में, ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (संकल्प 49/114) पर हस्ताक्षर करने की तारीख की याद में।ओजोन परत के संरक्षण के लिए 2022 अंतर्राष्ट्रीय दिवस का विषय मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल@35 हैः पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला वैश्विक सहयोग। हमारी धरती में मौजूद ओजोन गैस एक खतरनाक प्रदूषक है जो सांस लेने की प्रक्रिया में असर करता है जिससे अस्थमा या फेफड़ों के मरीजों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है. मगर यही ओजोन हमारे वायुमंडल में रहकर सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रा वायलेट किरणों से हमें बचाता भी है.

ओजोन लेयर क्या है

ओजोन की खोज 1957 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर 'गॉर्डन डॉबसन' ने की. ओजोन ऑक्सीजन के तीन एटम से बनता है (O3). हमारे वायुमंडल में स्ट्रेटोस्फियर के निचले हिस्से में (धरती से करीब 15 -35 किलोमीटर) यह भारी मात्रा में मौजूद है. जब अल्ट्रा वायलेट रेज़ वायुमंडल में ऑक्सीजन से रियेक्ट करती है तो ओजोन का कण तैयार होता है फिर यही ओजोन कण दूसरे ऑक्सीजन एटम से मिलकर ऑक्सीजन बनाता है, यह प्रक्रिया जहाँ चलती है उस सतह को ओजोन लेयर कहते हैं. इससे सूरज से निकली अल्ट्रा वायलेट रेज़ का प्रभाव धरती में आने से पहले कम हो जाता है. वायुमंडल में ओजोन लेयर के कम होने से पर्यावरण में इसका गंभीर परिणाम होता है. इससे प्लैंकटन जैसे सूक्ष्म जीव जीवित नहीं रह पाते जो पूरी फूड चेन को प्रभावित करती है. इससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या में भी इजाफा होता है. ओजोन लेयर में रिक्त स्थान होने से अल्ट्रा वायलेट रेज़ धरती में पहुंचती हैं जो स्किन कैंसर, स्किन बर्न, स्नो ब्लाइंडनेस, जैसी बीमारियों का कारण बनता है.

ओजोन परत में छिद्र का कारण

ओजोन लेयर में छिद्र का मुख्य कारण मानव गतिविधि मुख्य रूप से मानव निर्मित वो रसायन हैं जिसमे क्लोरीन या ब्रोमिन होता है. एक क्लोरीन का कर्ण कई ओजोन कर्णों को नष्ट करने की क्षमता रखता है. मुख्य ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थ जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बोन, कार्बोनटेट्राक्लोराइड उनमें क्लोरीन जैसे कण ही होते हैं.

हम भी पेड़ लगाकर, अच्छी रखरखाव से गाड़ियों से होने वाला प्रदुषण कम करके, प्लास्टिक या टायर ना जलाकर, पर्यावरण के अनुकूल वाला फर्टिलाइजर के इस्तेमाल से ओजोन परत को बचाने में अपना योगदान दे सकते हैं.

ओजोन की सुरक्षा के उपाय

- जरूरत है वाहनों में धुंआ उत्सर्जन रोकने की.
- रबर और प्लास्टिक के टायर को जलाने पर रोक लगाना है जरूरी
- ज्यादा से ज्यादा पौधों का रोपण जरूर करें.

पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाने वाले उर्वरक का प्रयोग करें.

- ओजोन के बिना पृथ्वी एक छत के बिना घर की तरह है!!! ओजोन परत बचाओ।'
- 'हरित हो जाओ, प्रतिभाशाली बनो, लम्बे खड़े हो जाओ और ओजोन परत की सिलाई करो।'
- 'ओजोन सिर्फ एक परत नहीं बल्कि एक रक्षक है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक का शेयर नुकसान के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक का शेयर गुरुवार को शेयर बाजार में नुकसान के साथ सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर बैंक के शेयर में 510 रुपए प्रति शेयर के निर्गम मूल्य की तुलना में करीब तीन फीसदी की गिरावट आई। एनएसई पर बैंक का शेयर 495 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 2.94 फीसदी कम है। वहीं बीएसई पर यह 510 रुपए के निर्गम मूल्य पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 519 रुपये के ऊंचे स्तर और 487 रुपए के निचले स्तर तक गया। तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले हफ्ते निर्गम के अंतिम दिन 2.86 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 831.6 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 500 से 525 रुपए प्रति शेयर रखा गया था।

एसबीआई ने बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट 0.7 फीसदी बढ़ाया

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े कर्जदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट (बीपीएलआर) को 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 13.45 प्रतिशत कर दिया है। इस घोषणा के बाद बीपीएलआर से लिंक बैंक के सभी तरह के लोन महंगे हो जाएंगे। इस समय बीपीएलआर का रेट 12.75 फीसदी है। यह रेट आखिरी बार जून में रिवाइज हुआ था। उस समय भी रिजर्व बैंक के द्वारा रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद इसे बढ़ाया गया था। बैंक का रिवाइज बीपीएलआर 13.45 फीसदी (सालाना) 15 सितंबर 2022 से प्रभावी होगा। एसबीआई ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी है। बैंक ने अपने बेस रेट में भी इतनी ही बढ़ोतरी की थी। इसके बाद बेस रेट पर लोन लेने वाले ग्राहकों की भी ईएमआई बढ़ गई है। हालांकि यह पुराना बेंच मार्च है जिस पर बैंक लोन देते हैं। अब ज्यादातर बैंक एक्सटर्नल बेंचमार्क बेस्ड लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) या रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) के आधार पर लोन देते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में कई बार रेपो रेट में इजाफा किया गया था, जिसके बाद सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक अपने लैंडिंग रेट्स को बढ़ा रहे हैं। रेपो रेट बढ़ने के बाद से बैंक के कर्ज का भुगतान महंगा हो रहा है। आरबीआई की अगली तीन दिवसीय मौद्रिक नीति बैठक 28 सितंबर से 30 सितंबर के बीच होनी है।

बायजू का 2020-21 में घाटा बढ़कर 4,588 करोड़

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू का 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष का घाटा 19 गुना बढ़कर 4,588 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश के प्रमुख स्टार्टअप ने कई माह के विलंब के बाद वित्तीय नतीजे जारी किए हैं। कंपनी को वित्त वर्ष 2019-20 में 231.69 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वहीं कंपनी का राजस्व भी वित्त वर्ष 2020-21 में एक प्रतिशत घटकर 2,428 करोड़ रुपए रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 2,511 करोड़ रुपए रहा था। बायजू के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रविंद्रन ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में हमारा राजस्व चार गुना होकर 10,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वृहद आर्थिक माहौल में अनिश्चितता के चलते कंपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को टालने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी अभी आईपीओ लाने की कोई योजना नहीं है। हमने इसे 2023 के ओ खिर तक टाल दिया है। कंपनी कारोबार को बढ़ावा देने के लिए अपने ऑफलाइन केंद्रों का विस्तार कर रही है। कंपनी का दावा है कि पूरे भारत में उसके 200 से अधिक सक्रिय केंद्र हैं। इस साल ओ खिर तक इसे 500 केंद्रों तक बढ़ाने का लक्ष्य है। बायजू की आने वाले वर्ष में कुल 10,000 और शिक्षकों को नियुक्त करने की योजना है। वर्तमान में कंपनी में लगभग 50,000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका के बीच ही सूचना प्रौद्योगिकी और दवा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 412.96 अंक करीब 0.68 फीसदी नीचे आकर 59,934.01 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 126.35 अंक तकरीबन 0.7 फीसदी टूटकर 17,877.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर मारुति, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आने लगी जो समय के साथ ही बढ़ने लगी। वहीं गत दिवस भी सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 66.30 अंक यानी 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 18,003.75 अंक पर बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। दूसरी ओर, अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बढ़त

के साथ बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार आईटी और फार्मा शेयरों में छायी बिकवाली से घरेलू बाजारों ने अपने शुरुआती लाभ को खो दिया हालांकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।'' वहीं इसी बीच अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.04 फीसदी गिरकर 94.06 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

देश का लक्ष्य शतप्रतिशत बिजली चलित परिवहन का होना चाहिएः कांत

नई दिल्ली । वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एसीएमए की तरफ से आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में अमिताभ कांत ने कहा कि देश का ध्यान साझा, जुड़े हुए और बिजली चालित परिवहन पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा विचार है कि हरित वाहन क्रांति वास्तव में हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है और चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं भारत को साझा और बिजली चालित परिवहन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि भारत की विद्युतीकरण यात्रा दोपहिया और तिपहिया वाहनों के बारे में है। हमें अगले चार साल के लिए लक्ष्य बनाने की जरूरत है। भारत को इन दो क्षेत्रों के शतप्रतिशत विद्युतीकरण को लक्षित करने की आवश्यकता है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री 2,31,338 इकाई रही, जो 2020-21 के 41,046 इकाई के आंकड़े की तुलना में पांच गुना अधिक है।

सैमसंग का 2050 तक अपने परिचालन में 100 फीसदी स्वच्छ ऊर्जा उपयोग का लक्ष्य

सियोल । कंप्यूटर चिप और स्मार्टफोन बनाने वाली सबसे बड़ी दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग ने जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बंद करने और अपने पूरे वैश्विक परिचालनों में 2050 तक 100 फीसदी स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने का लक्ष्य रखा है। सैमसंग उन सौ वैश्विक कंपनियों में सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता है जो पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्रोतों से 100 फीसदी बिजली हासिल करने के लिए 'आरई100' अभियान में शामिल हुई हैं। कंपनी ने गुरुवार को अपने इस लक्ष्य की घोषणा की। इसमें उसने कहा कि वह 2030 तक अपने मोबाइल डिवाइस, डिस्प्ले पैनल और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स खंड में शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना चाहती है और 2050 तक सेमीकंडक्टर समेत सभी वैश्विक परिचालनों में सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा ही इस्तेमाल करने का इरादा रखती है। सैमसंग ने कहा कि 2030 तक वह ऐसी परियोजनाओं पर पांच अरब डॉलर का निवेश करेगी जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने, इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करने और पुनर्चक्रण करने, जल संरक्षण और प्रदूषकों की मात्रा कम से कम करने से संबंधित होंगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जांग ही हान ने एक बयान में कहा कि सैमसंग जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए ये कदम उठा रही है। हमारी विस्तृत योजना में उत्सर्जन कम करना, टिकाऊपन के नए चलनों को अपनाना तथा ऐसी नवोन्मेषी तकनीकों और उत्पादों का विकास करना शामिल हैं जो हमारी धरती के लिए अच्छे हैं।

टाटा समूह ने एयर इंडिया के कायाकल्प की योजना बनाई, पांच साल में 30 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली:

टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया ने अगले पांच साल में घरेलू विमानन बाजार में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के साथ ही अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन को भी मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। साल की शुरुआत में टाटा समूह के नियंत्रण में जा चुकी एयर इंडिया का कायाकल्प करने के लिए बृहस्पतिवार को 'विहान.एआई' नाम से एक समग्र योजना की घोषणा की गई। इसके जरिये अगले पांच वर्षों में एयरलाइन का पूरी तरह कायाकल्प करने का खाका तैयार किया गया है जिसमें घरेलू एवं विदेशी दोनों ही बाजारों पर जोर दिया जाएगा। इस योजना के तहत एयर इंडिया अपने बेड़े में 30 नए विमानों को भी शामिल करेगी। उसका जोर अपना नेटवर्क एवं विमान बेड़ा दोनों बढ़ाने पर रहेगा। इसके अलावा उपभोक्ताओं के संदर्भ में एयर इंडिया के रवैये को पूरी तरह बदलने, विश्वसनीयता और समय पर परिचालन बढ़ाने के साथ ही प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के मामले में अग्रणी स्थान हासिल करने पर जोर रहेगा। एयर इंडिया की तरफ से जारी बयान में इस कायाकल्प योजना की जानकारी दी गई। एयर इंडिया ने कहा, ''अगले पांच वर्षों में एयर इंडिया अपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाकर भारतीय बाजार में कम-से-कम 30 प्रतिशत करने की कोशिश करेगी जबकि

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मौजूदा स्थिति को और सशक्त करने पर जोर रहेगा। एयर इंडिया को सतत वृद्धि, लाभप्रदता और बाजार का अगुवा बनने की राह पर ले जाने की योजना है। नागर विमानन महानिदेशालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एयर इंडिया की घरेलू बाजार में हिस्सेदारी जुलाई में 8.4 प्रतिशत थी। इस योजना को एयर इंडिया के कर्मचारियों से मिले सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने बयान में कहा कि विमानों के केबिन को दुरुस्त करने, सीटों को सुविधाजनक बनाने और उड़ान के दौरान मनोरंजन की व्यवस्था के साथ इस कायाकल्प योजना पर काम शुरू भी हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हमारा जोर उड़ानों का समयबद्ध परिचालन सुनिश्चित करने पर है। विमानों के बेड़े में विस्तार के दौरान छोटे आकार और बड़े आकार वाले दोनों तरह के विमानों को शामिल किया जाएगा।'

रूस के साथ भारतीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने एसबीआई को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि केंद्र ने रूस के साथ रुपए में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को अधिकृत किया है। अब रूस द्वारा इस व्यवस्था के कार्यान्वयन के लिए बैंक का नाम बताया जाना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय रुपए में निर्यात-आयात के लिए जुलाई में एक सर्कुलर जारी कर बैंकों को अतिरिक्त व्यवस्था करने को कहा था। बता दें कि रूस-यूक्रेन के बाद अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंधों की वजह से भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार का एक बड़ा हिस्सा रुपए में हो रहा है। फियो के अध्यक्ष ए. शक्तिवेल ने कहा कि एसबीआई के पास रुपए में व्यापार को सुगम बनाने के पर्याप्त साधन है लेकिन रूस को अभी बैंक की पहचान करनी है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वाणिज्य सचिव बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने हमें बताया कि रूस सरकार जल्द ही बैंक का नाम बताएगी। शक्तिवेल कहा कि रूस बैंक का नाम 15 दिन में बता सकता है। उन्होंने कहा कि एसबीआई को पहले ही अधिकृत किया जा चुका है। हमारी ईरान के साथ रुपए में भुगतान की व्यवस्था है। एसबीआई बड़ा बैंक है जो निर्यातकों की जरूरतों को पूरा कर सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध का कच्चे तेल और खाने

के सामान के दाम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इससे वैश्विक व्यापार के सामने चुनौतियां खड़ी हुई हैं। इसको देखते हुए निर्यात को बढ़ाने की जरूरत है। इससे व्यापार घाटा और चालू खाते के घाटे के मोर्चे पर राहत मिलेगी।

फिच ने भारत के आर्थिक विकास दर का पूर्वानुमान घटाया

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के आर्थिक विकास के पूर्वानुमान को 7.8 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया। फिच ने कहा कि जून में लगाए गए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान की तुलना में अब उसे 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था के सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। संस्था ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में भी विकास दर 7.4 प्रतिशत के पहले के अनुमान के मुकाबले अब 6.7 प्रतिशत तक रह जाने की संभावना है।

अमेरिका में ऑटो शो के दौरान कैडिलैक इलेक्ट्रिक कार पेश की गयी।

बेंगलुरु का विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में भर्तियों को लेकर सकारात्मक रूख रहा

- बीते दशक में बेंगलुरु ने एक बाजार के तौर पर विविध उद्योगों में बढ़िया वृद्धि दर्ज की

बेंगलुरु । बेंगलुरु चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भर्तियां करने का सबसे मजबूत इरादा रखता है और इसके पीछे वजह सूचना प्रौद्योगिकी, ई-वाणिज्य, एफएमसीजी तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों में हासिल हुई वृद्धि है। मानव संसाधन कंपनी टीमलीज सर्विसेस की रोजगार परिदृश्य रिपोर्ट में बताया गया कि 95 फीसदी नियोक्ताओं ने जुलाई से सितंबर की तिमाही में अधिक भर्तियां करने का मन बनाया है जबकि इससे पहले अप्रैल से जून की अवधि में 91 फीसदी नियोक्ताओं ने ऐसा कहा था। व्यापक नजरिए से देखें तो भारत की 61 फीसदी कॉरपोरेट कंपनियां इस अवधि में भर्ती की इच्छुक हैं जो पिछली तिमाही की तुलना में सात फीसदी अधिक है। बेंगलुरु में विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में भर्तियों को लेकर सकारात्मक रूख देखने को मिला। इस मामले में विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी उद्योग हैं दैनिक उपयोग की वस्तुओं वाला क्षेत्र एफएमसीजी (48 फीसदी), स्वास्थ्य देखभाल एवं दवा (43), विनिर्माण, इंजीनियरिंग एवं अवसंरचना (38), ऊर्जा और बिजली (34) तथा कृषि एवं कृषि रसायन (30)।सेवा क्षेत्र में भर्ती के इरादे के लिहाज से अग्रणी उद्योग हैं सूचना प्रौद्योगिकी (97 फीसदी), ई-वाणिज्य एवं संबंधित स्टार्टअप (85), शैक्षणिक सेवाएं (70), दूरसंचार (60), खुदरा (आवश्यक वस्तुएं) (64), खुदरा (गैर आवश्यक) (30) और वित्तीय सेवाएं (55)। टीमलीज सर्विसेस में एक मुख्य कारोबार अधिकारी महेश भट्ट ने कहा कि बीते दशक में बेंगलुरु ने एक बाजार के तौर पर विविध उद्योगों में बढ़िया वृद्धि दर्ज की है। यहां नए दौर की इंटरनेट आधारित कई कंपनियां उभरी हैं जो विविध मूल्य आधारित सेवाओं और उत्पादों की पेशकश करती हैं। उन्होंने कहा कि इस सकारात्मक वृद्धि से विभिन्न क्षेत्रों और भूमिकाओं में रोजगार के अपार अवसर पैदा हुए हैं। अधिकाधिक नियोक्ता अपने संसाधनों के बेड़े का विस्तार करना चाहते हैं और अधिक वेतन दे सकते हैं। आने वाली तिमाहियों में भर्ती के इरादे और मजबूत होकर 97 फीसदी होने की उम्मीद है। भर्ती के इच्छुक नियोक्ता विनिर्माण क्षेत्र में सबसे ज्यादा दिल्ली (72 फीसदी), फिर मुंबई (59) और चेन्नई (55) में हैं। सेवा क्षेत्र में सबसे आगे है बेंगलुरु (97 फीसदी), इसके बाद मुंबई (81) और फिर दिल्ली (68) है।

टाटा स्टील 2000 करोड़ जुटाने नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर लाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की स्टील कंपनी टाटा स्टील ने कहा कि वह दो हजार करोड़ रुपए जुटाने के लिए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) लेकर आएगी। टाटा स्टील ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के डायरेक्टर्स की कमिटी ने नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के तौर पर डेट सिक्यूरिटीज जारी कर फंड जुटाने की अनुमति दे दी है। टाटा स्टील प्राइवेट प्लेसमेंट के आधार पर एनसीडी जारी करेगी।

कंपनी को डायरेक्टर्स की कमिटी ने एनसीडी जारी करने के लिए अनुमति दे दी है। कंपनी ने अनुसार एनसीडी की दो सीरीज जारी की जाएंगी।

20 सितंबर को जारी होने वाली पहली सीरज में 10 लाख रुपए प्रति फैस वैल्यू के 5,000 डिबेंचर जारी होंगे, जो कुल 500 करोड़ रुपए के होंगे। पहली सीरीज के डिबेंचर की मैच्योरिटी 20 सितंबर 2027 होगी। दूसरे राउंड की सीरीज में 10 लाख रुपए प्रति फेस वैल्यू के 15,000 एनसीडी जारी किए जाएंगे, जिनकी कुल कीमल 1500 करोड़ होगी। यह डिबेंचर भी 20 सितंबर 2022 को ही जारी होगा लेकिन इसकी पे रिपक्व अवधि 20 सितंबर 2032 होगी। एनसीडी एक फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट होते हैं। इसका इस्तेमाल कंपनियां पब्लिक इश्यू के जरिए पैसा जुटाने के लिए करती हैं। एनसीडी आईपीओ की तरह ही कंपनियों के लिए पैसा जुटाने का तरीका होता है लेकिन कंपनी जब एनसीडी के जरिए पैसा जुटाती है, तो इसे कर्ज की तरह लिया जाता है। इसलिए कंपनी द्वारा लिए गए कर्ज पर ब्याज देना होता है। एनसीडी की एक फिक्स्ड मैच्योरिटी डेट होती है। इसमें निवेशकों को एक निश्चित ब्याज दर के साथ रिटर्न मिलता है।

बीएमडब्ल्यू ने पंजाब में वाहन कलपुर्जा बनाने का कारखाना लगाने से किया इनकार

चंडीगढ़ । महंगे वाहन बनाने वाली जर्मनी की कंपनी बीएमडब्ल्यू ने कहा कि उसकी पंजाब में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। कंपनी के इस बयान से राज्य सरकार के लिये अजीब स्थिति पैदा हो गई है। एक दिन पहले ही पंजाब सरकार ने दावा किया था कि बीएमडब्ल्यू राज्य में वाहनों के कलपुर्जे बनाने का कारखाना लगाने को लेकर तैयार है। पंजाब सरकार ने कहा था है कि इस आशय का निर्णय जर्मनी में बीएमडब्ल्यू मुख्यालय में मुख्यमंत्री भगवंत मान के दौरे के दौरान किया गया। मान फिलहाल पंजाब में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए जर्मनी के दौरे पर हैं। बीएमडब्ल्यू के बयान पर राज्य सरकार की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। कंपनी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू समूह चेन्नई में अपने विनिर्माण संयंत्र, पुणे में कलपुर्जों के गोदाम, दिल्ली के सटे हरियाणा के गुरुग्राम में प्रशिक्षण केंद्र और प्रमुख महानगरों में विकसित डीलर नेटवर्क के साथ

अपने भारतीय परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है। बयान के अनुसार, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की पंजाब में अतिरिक्त विनिर्माण इकाई स्थापित करने की कोई योजना नहीं है। इसको लेकर विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

टी20 विश्वकप में होने वाले भारत-पाक मुकाबले के सभी टिकट अभी से बिके

मेलबोर्ड । ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान टीम आमने-सामने होगी। इस मुकाबले में अभी करीब एक माह का समय है। इसके बाद भी इसके सभी टिकट बिक गये हैं। टी20 विश्वकप की शुरुआत 16 अक्टूबर से हो रही है पर सुपर 12 दौर के मुकाबले 22 अक्टूबर से ही शुरू होंगे। सुपर 12 के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। वहीं इस टूर्नामेंट का सबसे अहम मुकाबला 23 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा। भारत और पाक के बीच को खेले जाने वाले मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इसी कारण अभी से ही इसके सारे टिकट बिक गये हैं। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा है कि 23 अक्टूबर को मेलबर्न में होने वाले भारत बनाम पाक मुकाबले की सारी टिकटें अभी से ही बिक गयी हैं। आईसीसी के अनुसार इस मुकाबले के लिए रखीं अतिरिक्त टिकटें भी कुछ मिनटों में ही बिक गई हैं। आईसीसी के अनुसार, 'इस मुकाबले के लिए अतिरिक्त स्टैंडिंग रूम टिकट निकाले गए थे, वो भी निकलने के कुछ मिनटों बाद ही बिक गए। इवेंट करीब आने पर एक आधिकारिक रिसेल प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया जाएगा जहां प्रशंसक अपने टिकटों को बदल सकेंगे।।

(सिडनी) टी20 विश्वकप : भारत- ऑस्ट्रेलिया सहित अब तक आठ देश ही घोषित कर पाये टीम

कुल 16 टीमें भाग लेंगी , 13 नवंबर को होगा फाइनल

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारत के अलावा मेजबान ऑस्ट्रेलिया सहित आठ देशों ने अपनी टीम घोषित कर दी हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया के अलावा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नामीबिया, नीदरलैंड्स और वेस्टइंडीज ने ही अब तक अपनी टीमों की घोषणा की है। अभी आठ और टीमों की घोषणा होनी है। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। अभी तक जो देश टीम की घोषणा नहीं कर पा रहे हैं। उसका मुख्य कारण खिलाड़ियों का चोटिल होना रहा है। न्यूजीलैंड बोर्ड के अनुसार उसकी टीम की घोषणा 20 तारीख को होगी। इसके अलावा जिम्बाब्वे, श्रीलंका, अफगानिस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और यूएई को भी अभी अपनी टीम घोषित करनी है। कुल 16 में से आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 10 टीमें हैं। बची हुई छह टीमों का चयन टी20 विश्व कप क्वॉलिफायर के जरिए किया जाता है। इन 6 में से चार टीमें राउंड 1 में बाहर हो जाएंगी।

आईसीसी टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होगा। इसमें 16 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले खेले जाएंगे, जो क्वॉलिफायर टीमों के होंगे। इसका फाइनल मैच 13 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा।

घोषित की गयी आठ टीमें इस प्रकार हैं :

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

स्टैंड बाय खिलाड़ी: मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई और दीपक चाहर।

दक्षिण अफ्रीका: टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, हेनरिक क्लासेन, रीजा हेंड्रिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्खिया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, रिली रोसौव, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स। रिजर्व खिलाड़ी: ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को जानसेन, एंडिले फेहलुकवाओ।

बांग्लादेश: शाकिब अल हसन, सब्बीर रहमान, मेहदी हसन मिराज, अफीफ हुसैन, मोसाद्देक हुसैन, लिट्टन दास, यासिर अली, नुरूल हसन, मुस्तफिजुर रहमान, सैफुद्दीन, तस्कीन अहमद, इबादत हुसैन, हसन महमूद, नजमुल हुसैन, नासुम अहमद। स्टैंडबाय खिलाड़ी: शोरिफुल इस्लाम, शक मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, सौम्य सरकार।

ऑस्ट्रेलिया: एरॉन फिंच (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, हैरी ब्रुक, सैम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, फिल साल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ले, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड, एलेक्स हेल्स.

रिजर्व खिलाड़ी: लियाम डॉसन, रिचर्ड ग्लीसन, टायमल मिल्स।

वेस्टइंडीज: निकोलस पूरन (कप्तान), रोवमेन पॉवेल, यानिक करियाह, जॉनसन चार्ल्स, शेल्डन कॉट्रेल, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, एविन लुईस, काइल मेयर्स, ओबेड मैकॉय, रेमन रीफर, ओडियन स्मिथ।

नामीबिया: गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, दीवान ला कॉक, स्टीफन बार्ड, निकोल लॉफ्टी ईटन, जान फ्रीलिंक, डेविड विसे, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जेन ग्रीन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, तांगेनी, लुंगमेनी, माइकल वैन लिंगेन, बेन शिकोंगो, कार्ल बिरकेनस्टॉक, लोहान लौवरेंस, हेलो हां फ्रांस।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रेचल ने संन्यास लिया

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रेचल हेंस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। रेचल हालांकि वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलेंगी पर अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में नहीं खेलेंगी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे अच्छी खिलाड़ियों में शामिल रही रेचल ने उन्होंने तीनों प्रारूपों में शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। रेचल ने साल 2009 में एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। डेब्यू के तीन दिन बाद ही उसने ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला टेस्ट मैच खेलते हुए 98 रन बनाये। रेचल ने साल 2013 और 2022 में ऑस्ट्रेलिया की दो आईसीसी महिला विश्व कप खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह साल 2018 और 2020 में दो बार टी20 विश्व कप विजेता टीम में शामिल रही हैं। आईसीसी ने इस खिलाड़ी के संन्यास के बाद ट्वीट करते हुए लिखा, 'ऑस्ट्रेलिया की चार बार की विश्व कप चैंपियन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है।' महिला खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा है, 'लोगों के समर्थन के बिना इस स्तर पर खेलना संभव नहीं था मैं अपने क्लब , राज्यों, कोच, दोस्तों और अपने परिवार की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरी सहायता की। मैं अपने माता-पिता और अपने पार्टनर लिया को अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी।' गौरतलब है कि रेचल ने साल 2009 से 2022 के बीच छह टेस्ट, 77 एकदिवसीय और 84 टी20 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए कुल 3818 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में रेचल ने दो शतक लगाकर कुल 2585 रन बनाए हैं।

चैंपियन्स लीग फुटबॉल में बायर्न म्यूनिख और लीवरपूल जीते

लंदन । बायर्न म्यूनिख टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बार्सीलोना को 2-0 से हरा दिया। बायर्न की टीम के लिए यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि उसके अनुभवी रॉबर्ट लेवानदोवस्की उसे बीच में ही छोड़कर बार्सीलोना में शामिल हो गये थे। बायर्न ने शुरुआत से ही बार्सीलोना पर हमला बोल दिया। लेवानदोवस्की को पहले हाफ में गोल करने के कई अच्छे अवसर मिले पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पाये। इसके बाद लुकास हर्नांडेज और लेरॉय साने ने दूसरे हाफ में पांच मिनट के अंदर में ही गोल करके बायर्न को 2-0 से आगे कर दिया। यह बढ़त अंत तक बनी रही। इस जीत से बायर्न ग्रुप सी में दो मैच में दो जीत के साथ शीर्ष पर पहुंच गये है। वहीं एक अन्य मुकाबले में लीवरपूल ने 89वें मिनट में जोएल माटिप के गोल से अजाक्स को 2-1 से हराकर यूरोपीय चैंपियनशिप में पहली जीत हासिल की है। लीवरपूल की ओर से 17वें मिनट में मोहम्मद सालाह ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई पर मोहम्मद कुडुस ने 27वें मिनट में एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद जोएल ने खेल समाप्त होने के एक मिनट पहले गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

भारतीय टीम ने नेपाल को हराकर सैफ अंडर-17 फुटबॉल खिताब बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

भारत ने कोलंबो में खेले गए सैफ अंडर-17 फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में नेपाल को 4-0 से हराकर खिताब जीता है। भारतीय टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए यह खिताब अपने पास बनाये रखा। इम मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से बॉबी सिंह, कोरौ सिंह, कप्तान वनलालपेका गुइटे और अमन ने एक-एक गोल दागा। वहीं नेपाल की टीम एक भी गोल नहीं कर पायी। लीग चरण में नेपाल से 3-1 से हारने के बाद भारतीय टीम ने फाइनल में अच्छी वापसी करते हुए नेपाल को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए हमले शुरु कर दिये। भारत के बॉबी ने 18वें मिनट में हैडर से गोल दागकर टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद 30 वें मिनट में कोरौ सिंह ने भी एक गोल कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद नेपाल टीम ने वापसी के कई प्रयास किये पर वह सफल नहीं हो पायी। 39वें मिनट में ही उसके कप्तान प्रशांत लक्षम ने हताशा में डैनी लैशराम पर कोहनी मार दी जिसके कारण उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम के बाद 63 वें मिनट में गुइटे ने भारत की ओर से तीसरा गोल किया। वहीं अमन ने इंजरी टाइम में चौथा गोल करके भारतीय टीम की जीत पक्की कर दी। भारतीय कप्तान गुइटे को टूर्नामेंट के सबसे उपयोगी खिलाड़ी जबकि साहिल को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार मिला। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच विबियानो फर्नांडीस ने अपने खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी।

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत ने बताया , इस कारण मिली दूसरे टी20 में जीत

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मिली जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह आत्मविश्वास के कारण मिली है। भारतीय टीम ने दूसरे टी20 को आठ विकेट से जीतकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से बराबरी की है। अब सभी की नजरें तीसरे मैच पर रहेंगी। हरनमप्रीत ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, हमने अच्छा खेल दिखाया। हर कोई जीत के लिए प्रयास कर रहा था। हमारे पास सभी बल्लेबाजों के लिए योजनाएं हैं पर उन्हें अमल में लाना कठिन होता है। '' उन्होंने कहा, ''अब हमारी टीम का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा हुआ है और इससे गेंदबाजों को सहायता मिल रही है। राधा ने पिछले मैच में चोटिल होने के बाद भी जबरदस्त क्षेत्ररक्षण किया। वहीं सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने नाबाद अर्धशतक लगाया। स्मृति ने कहा, ''हमने मजबूत वापसी की जो हम चाहते थे। मैं बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वयं पर जोर डाल रही थी और खुश हूं कि मैं जीत में योगदान देने में सफल रही। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इंग्लैंड में बल्लेबाजी करने के लिए अच्छा मौसम था, मुझे लगता है कि मैंने लय हासिल कर ली है।'' उन्होंने कहा, ''टी20 क्रिकेट में आप टीम को अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करते हैं। टीम में योगदान देने पर खुशी होती है.'' स्मृति ने अपनी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा की भी प्रशंसा की जिनके साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़े जिससे भारत के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान हो गया। स्मृति के अनुसार शैफाली को पता है कि किये निशाना बनाना है।

बारिश के कारण नहीं हो पाया इंडिया और वेस्टइंडीज लीजेंड्स का मुकाबला

कानपुर । बारिश के कारण रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 में बाधा आई है। इसमें सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स और ब्रायन लारा की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज लीजेंड्स के बीच मुकाबला नहीं होने से प्रशंसकों को भी निराश हुई है। यह मैच यहां के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाने वाला था पर मैदान गीला होने के कारण उसे रद्द करना पड़ा। सीरीज का छठा मुकाबला रद्द होने के कारण दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। मैच से एक दिन पहले यहां जमकर बारिश हुई। ऐसे में ग्रीन पार्क के मैदान में काफी पानी भर गया। वहीं प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि उन्हें 15 साल बाद फिर सचिन और लारा का मुकाबला देखने को मिलेगा पर उन्हें निराश मिली है। अब अंक तालिका की बात करें तो इंडिया लीजेंड्स टीम के दो मैचों से तीन अंक हैं और वह आठ टीमों की तालिका में दूसरे नंबर पर है जबकि वेस्टइंडीज लीजेंड्स टीम के भी 2 मैचों में तीन अंक हैं हालांकि वह नेट रनरेट के आधार पर इंडिया लीजेंड्स से पीछे तीसरे नंबर पर है। वहीं श्रीलंका लीजेंड्स टीम 2 मैचों से चार अंक लेकर शीर्ष पर आ गयी है।

उथप्पा ने क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के बल्लेबाज रहे रॉबिन उथप्पा ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उथप्पा एक ऐसे बल्लेबाज के तौर पर याद किये जाएंगे जो किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी में माहिर था। इसके अलावा वह जरुरत पड़ने पर विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी उठाने में सक्षम थे। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक बार कहा था, रॉबिन हमारे ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जो किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने की क्षमता रखते हैं। वह पारी शुरु कर सकते हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाज के अलावा वह निचले -मध्य क्रम पर भी खेल सकते हैं। जब टीम में ऐसा खिलाड़ी होता है तो तय है कि विकल्प भी बढ़ जाते हैं। वह हमारी टीम के बेहद अहम खिलाड़ी हैं।' गौरतलब है कि साल 2008 के एक टूर्नामेंट में रॉबिन उथप्पा ने 8 बार बल्लेबाजी की। इसमें से तीन बार पारी शुरु की। एक बार तीसरे नंबर पर उतरे और 4 बार 7 नंबर पर बल्लेबाजी की। अहम बात यह रही कि उन्हें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के रहने के बाद भी पारी शुरु करने को भेजा गया था।सीरीज के दूसरे फाइनल में इस बल्लेबाज ने सचिन के साथ पारी शुरु करते हुए 30 रन बनाए थे जबकि इसी मैच में गंभीर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। वह उन बल्लेबाजों में से एक रह हैं, जो तेज गेंदबाजों को चहलकदमी करते हुए आगे आकर खेलते थे। ऐसा करने के लिए ना सिर्फ बल्लेबाज को तकनीकी रूप से पारंगत होना होता है, बल्कि 140-150 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आ रही गेंद के और करीब जाकर खेलने का खतरा उठाना पड़ता है। उथप्पा का अंतरराष्ट्रीय करियर उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने 46 एकदिवसीय मैचों में 25.94 की औसत से 934 रन बनाए। इसी तरह 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24.90 की औसत से 249 रन बनाये हैं। वहीं उन्होंने 142 फर्स्टक्लास मैच में 40.71 की औसत और 22 शतक की मदद से 9446 रन बनाए हैं। लिस्ट ए और घरेलू टी20 मैचों में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इस क्रिकेटर ने 203 लिस्ट ए मैच में 35.31 की औसत और 16 शतक की मदद से 6914 रन बनाए हैं। इसी प्रकार उन्होंने 291 टी20 मैचों में 28.18 की औसत से 7272 रन बनाए, जिनमें 92 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा।

टी20 विश्व कप की तैयारियों में लगे हैं अर्शदीप

मुम्बई । टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में लगे हैं। अर्शदीप ने जिस प्रकार एशिया कप में अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है। उससे भविष्य में उनसे काफी उम्मीदें लगायी जा रही हैं। पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ जिस प्रकार सुपर-4 के डेथ ओवर में अर्शदीप ने गेंदबाजी की थी। उससे उनका कद और बढ़ा है। अब अर्शदीप का लक्ष्य टी20 विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन करना है। इस टूर्नामेंट में उन्हें भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा बनाया गया है। ज्यादातर ऑस्ट्रेलियाई मैदान भारत के मुकाबले बड़े होते हैं, ऐसे में अर्शदीप अब अपने कोच के साथ ऑस्ट्रेलियाई पिच के हिसाब से अपने को तैयार करने में लगे हैं। इस तेज गेंदबाज के निजी कोच जसवंत राय ने कहा, 'अर्शदीप की यॉर्कर सटीक है। अब हमारा टारगेट ऑस्ट्रेलियाई पिच के मुताबिक, लेंथ बॉल पर काम करना है। वहां के विकेट पर लेंथ की अहमियत काफी ज्यादा होती है। आप न तो गेंद की लेंथ को पीछे रख सकते हैं और न ही इसे आगे की तरफ कर सकते हैं, क्योंकि बल्लेबाज के पास हमेशा पुल या ड्राइव करने का मौका रहता है।' कोच ने साथ ही कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के मैदान बड़े हैं। ऐसे में एक गेंदबाज होने के नाते उनके पास स्लोअर बाउंसर और बाउंसर के जरिए फायदा उठाने का मौका होगा। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया में विकेट धीमे मिलते हैं तो अर्शदीप को अपनी गति में परिवर्तन करना चाहिए। जहां गेंद पिच पर रूककर आती है, वहां यॉर्कर और लेंथ बॉल का इस्तेमाल करने पर जोर देना चाहिए। अर्शदीप इस दिशा में काम कर रहे हैं।।'

प्रसाद ने सैमसन को टी20 विश्वकप के लिए शामिल नहीं करने का कारण बताया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की चयनसमिति के पूर्व प्रमुख एमएसके प्रसाद ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए शामिल नहीं किये जाने का कारण बताया है। प्रसाद के अनुसार सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। इसके अलावा उनकी जगह शामिल युवा दीपक हुड्डा बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी करते हैं। एशिया कप में हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन किया था। वह संजू की तरह कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। सैमसन को लंबे समय से टीम के साथ नहीं जोड़ने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन को अक्सर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। साल 2015 में अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने के बाद भी विकेटकीपर-बल्लेबाज सैमसन ने अब तक भारत की ओर से केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं। प्रसाद ने साथ ही कहा, सैमसन ने अपनी पिछली आठ पारियों में 12, 54, 6 नाबाद , 30 नाबाद , 15, 43 नॉट और 15 रन बनाये हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन ठीक रहा है। साल 2021 में 484 रन और 2022 में 458 रन उन्होंने आईपीएल में बनाए हैं। इसमें केवल एक अर्धशतक बनाया है, जिससे उनकी निरंतरता पर सवाल खड़ा होता है।

हॉकी खिलाड़ी नमिता टोप्पो ने संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली ।

भारत के लिए 150 से अधिक मैच खेल चुकी अनुभवी हॉकी खिलाड़ी नमिता टोप्पो ने गुरुवार को खेल को अलविदा कह दिया। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के रहने वाली 27 साल की नमिता ने 2012 में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया था। वह 2014 और 2018 एशियाई खेलों में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य थी। नमिता ने हॉकी इंडिया से जारी बयान में कहा, 'पिछले 10 साल निश्चित रूप से मेरे जीवन लिए सबसे अच्छा समय रहा मेरा सपना था कि मैं बड़े टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व करूं और अपने सपने के साकार होने की मुझे खुशी है। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैंने खेल में एक बड़ा प्रभाव डाला है। मैं पिछले एक दशक में भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रगति को देखकर बहुत रोमांचित हूं। जीवन में नये क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ मैं टीम का समर्थन करते रहूंगी। राउरकेला के पानपोश खेल हॉस्टल से हॉकी का कौशल सीखने वाली नमिता ने 2007 में राज्य टीम में जगह बनाई थी। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2011 में भारत की अंडर-18 टीम के लिए चुना गया। वह इसी साल बैंकॉक में एशिया कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थी। नमिता को 2012 में डबलिन में 'एफआईएच चैंपियंस चैलेंज एक' में सीनियर राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पहली बार चुना गया था। वह मोंचेनग्लादबाक (जर्मनी) में 2013 एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थी। नमिता ने 2013 में एफआईएच महिला विश्व लीग चरण दो जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भाग लिया जहां भारत ने स्वर्ण जीता था। वह 2014 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के अलावा नमिता 2016 में रियो ओलंपिक भाग लेने वाली टीम का हिस्सा थी। हॉकी इंडिया ने दो बार के एशियाई खेलों के पदक विजेता को देश के खेल में उनके योगदान के लिए बधाई दी। महिला टीम की राष्ट्रीय को यानेक शॉपमैन ने कहा, 'नमिता का भारतीय हॉकी में बहुत बड़ा योगदान है। नमिता मैदान पर सब कुछ देने के अलावा टीम में युवाओं के लिए एक आदर्श रोल-मॉडल (प्रेरणास्रोत) भी रही हैं।

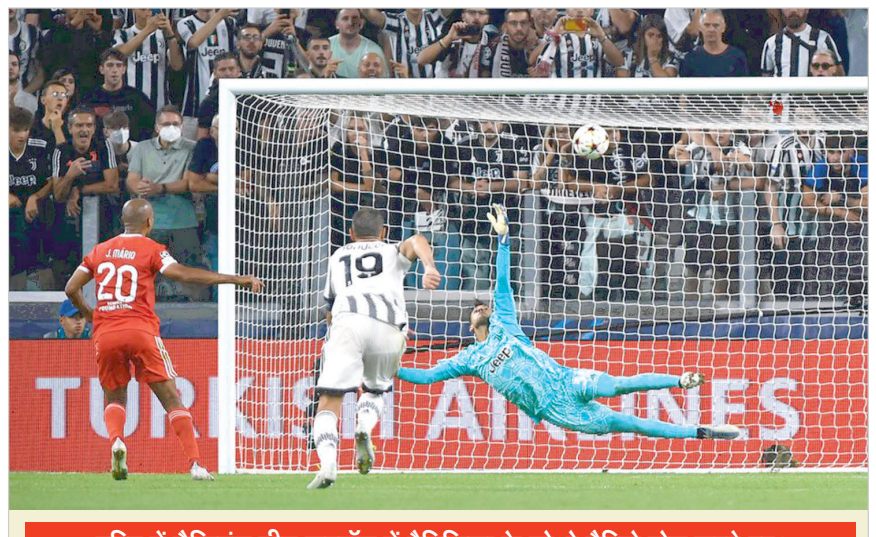

टूरिन में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में बैनिफिका के जोओ मैरियो गोल करते हुए।

अर्जुन कपूर ने खुद को बताया अंडररेटेड एक्टर

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर ने हाल ही में खुद को अंडररेटेड एक्टर बताया है। एक इंटरव्यू में अर्जुन ने कहा कि लोग उन्हें एक्टिंग में कम आंकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि वो बस मेनस्ट्रीम फिल्मों में ही एक्टिंग कर सकते हैं। अर्जुन ने कहा कि वो ऑफ कैमरा भी एक फिल्मी एटीट्यूड रखते हैं, लेकिन वो सिनेमा का बहुत सम्मान करते हैं। अर्जुन ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं एक अंडररेटेड एक्टर हूं। जब बात परफॉर्मेंस की आती है तो लोग मुझे कम आंकते हैं। लोगों को लगता है कि मेनस्ट्रीम एक्टर हूं। लेकिन मुझे लगता है कि यह इस बिजनेस का कल्चर और नेचर है। क्योंकि आप जिस तरह की फैमिली से आते हैं। आपका ऑफ कैमरा व्यवहार फिल्मी होता है और मैं इस तरह का ही हूं। इसलिए हो सकता है कि आपके लिए सिनेमा की प्योरिटी के लिए सम्मान की इम्पोर्टेंस अलग और ज्यादा हो।'

रणवीर सिंह के न्यूड फोटो के साथ की गयी थी छेड़छाड़

न्यूड फोटोशूट मामले में रणवीर सिंह की मुश्किलें तब ज्यादा बढ़ गयी जब उनके खिलाफ अश्लीलता मामले में शिकायत दर्ज करवायी गयी। इस मामले में पुलिस ने अपनी पूछताछ जारी रखते हुए रणवीर सिंह का बयान भी दर्ज किया। मामले को लेकर रणवीर सिंह ने अपनी सफाई में कहा है कि उनकी कुछ तस्वीरों का मॉफ्ड यानी कि उनसे छेड़छाड़ की गयी थी। मुंबई पुलिस द्वारा न्यूड फोटोशूट मामले में रणवीर सिंह का बयान दर्ज करने के कुछ दिनों बाद, गुरुवार को यह खुलासा हुआ कि अभिनेता ने दावा किया कि किसी ने उनकी एक तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की। एक्टर के मुताबिक फोटो को उस तरह से शूट नहीं किया गया था जैसा दिखाया जा रहा है। पुलिस ने 29 अगस्त को रणवीर सिंह का बयान दर्ज किया था और अब इसकी पुष्टि कर रही है।

मामला क्या है?

बाजीराव मस्तानी अभिनेता रणवीर सिंह पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 292, 294 और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 509 और 67 (ए) के तहत अश्लीलता का मामला दर्ज किया गया था। उसके खिलाफ चेंबूर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस को मिली शिकायत में रणवीर सिंह पर 'महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने' का आरोप लगाया गया था. शिकायतकर्ता ने कहा कि अभिनेता ने महिलाओं की भावनाओं को आहत किया और अपनी तस्वीरों के माध्यम से उनके शील का अपमान किया। जुलाई में [illegible]पत्रिका के साथ अपना फोटोशूट जारी होने के बाद से अभिनेता विवादों की एक श्रृंखला में शामिल रहे हैं। तस्वीरें रातों-रात वायरल हो गईं, कई लोगों ने उनकी आलोचना भी की, जबकि अन्य लोगों ने अभिनेता के साहसिक कदम की सराहना की।

बिग बॉस 16 के लिए सलमान खान ने बढ़ाई फीस

टीवी का कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' जल्द ही अपने नए सीजन के साथ वापसी करने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो के होस्ट सलमान खान इस सीजन के लिए 15वें सीजन से तीन गुना ज्यादा फीस चार्ज कर रहे हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि सलमान खान इस सीजन के लिए तकरीबन 1000 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं। ये खबर सुनने के बाद लोग कह रहे हैं कि सलमान इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 2' के बजट से 10 गुना ज्यादा फीस ले रहे हैं। बता दें यश स्टारर इस फिल्म को तकरीबन 100 करोड़ रुपए के बजट में बनाया गया था। वहीं इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 1000 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इस लिहाज से सलमान खान साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म के बजट से 10 गुना ज्यादा फीस ले रहे हैं।

अजय देवगन की 'थैंक गॉड' के खिलाफ यूपी में केस दर्ज

डायरेक्टर इंद्र कुमार की आगामी फिल्म 'थैंक गॉड' मुश्किल में आ गई है। इस फिल्म में मुख्य किरदार के रुप में रकुलप्रीत, सिद्धांत और अजय देवगन नजर आएंगे। वकील हिमांशु श्रीवास्तव ने जौनपुर कोर्ट में डायरेक्टर इंद्र कुमार, एक्टर अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के खिलाफ केस दर्ज कराया है। याचिकाकर्ता का बयान 18 नवंबर को दर्ज किया जाएगा। याचिकाकर्ता के अनुसार, फिल्म का ट्रेलर जो रिलीज हो चुका है, उसमें धर्म का मजाक उड़ाया गया है और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। अपनी याचिका में श्रीवास्तव ने कहा कि, अजय देवगन सूट पहने हुए चित्रगुप्त का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं और एक सीन में वह चुटकुले सुनाते और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते नजर आ रहे हैं। याचिका में कहा गया है, 'चित्रगुप्त को कर्म का देवता माना जाता है और वह एक आदमी के अच्छे और बुरे कर्मों का रिकॉर्ड रखता है। देवताओं का ऐसा चित्रण एक अप्रिय स्थिति पैदा कर सकता है क्योंकि यह धार्मिक भावनाओं को आहत करता है।' फिल्म 'थैंक गॉड' 24 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है।

जिम में पसीना बहाती दिखीं रश्मि देसाई

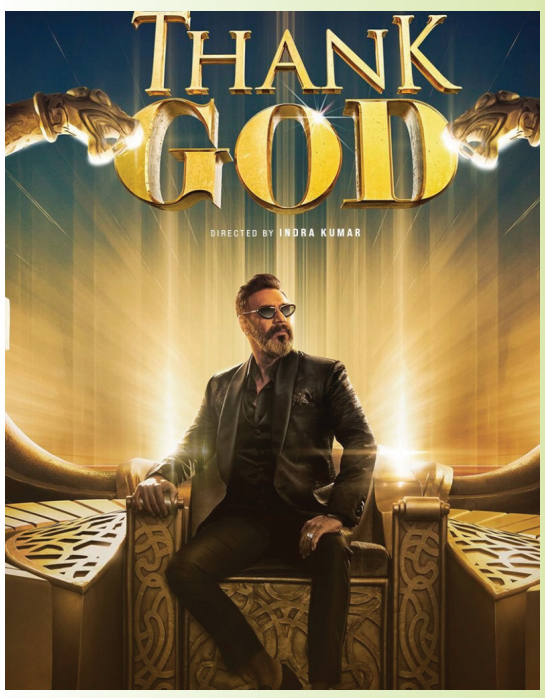

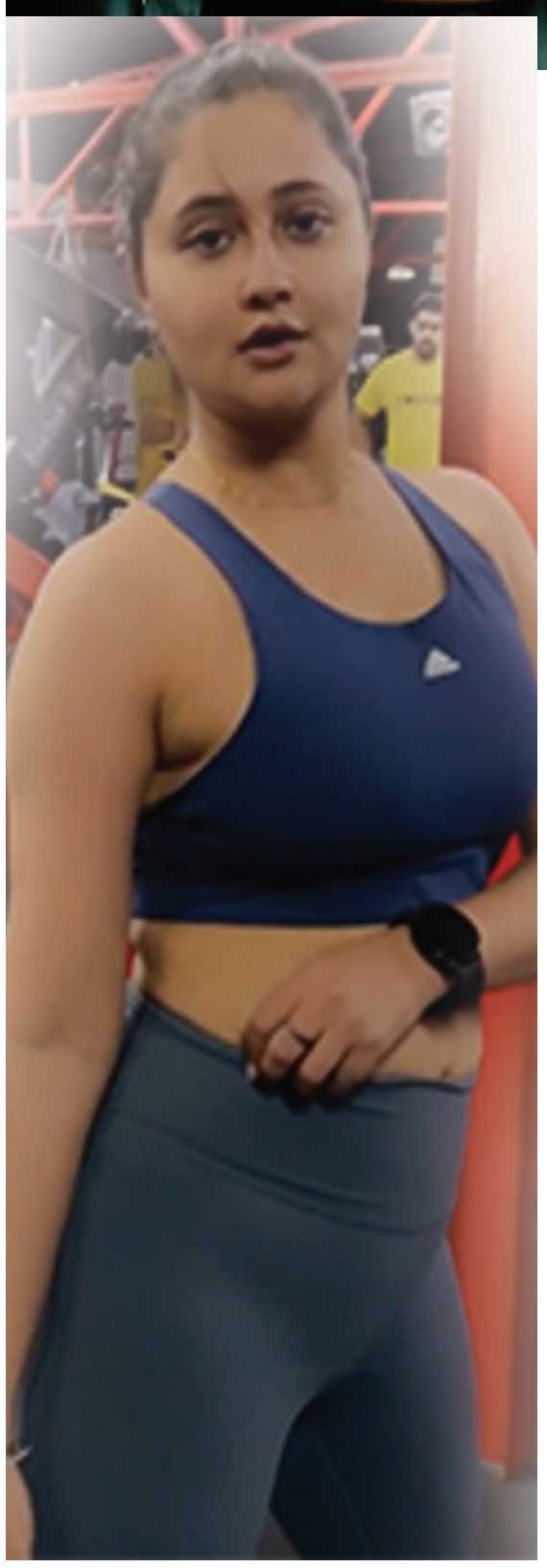

टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई आए दिन सोशल मीडिया पर अपने फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में रश्मि जिम में कड़ी मेहनत करती हुई नजर आईं। रश्मि ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा , 'मी टू मी, नो पेन नो गेन'। सोशल मीडिया पर रश्मि के इस लेटेस्ट वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। उनके इस वर्कआउट वीडियो पर फैन्स जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

सारा-जान्हवी दोस्त के साथ-साथ बनीं को-एक्टर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और जान्हवी कपूर बॉलीवुड में सबसे अच्छी दोस्तों में से एक हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक साथ फोटो शेयर की है। फोटो देख ऐसा लग रहा है कि दोनों जल्द ही किसी नए प्रोजेक्ट में साथ नजर आने वाली हैं। जहां सारा ने अपनी एक डरावनी, वहीं जान्हवी ने मुस्कुराते हुए फोटो शेयर की है। सारा ने इस फोटो को शेयर कर लिखा, 'कॉफी बनाने से लेकर अब तक को-एक्टर्स के रूप में हमने शूट किया। रुकें और हमें देखें- हमें बताएं कि आपने क्या सोचा?' वहीं जान्हवी ने फोटो शेयर कर लिखा, 'ट्रैवल एडवेंचर्स, कॉफी डेट्स और अब को-स्टार्स!' अगर दोनों वाकई में किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आने वाले हैं, तो ये उनके फैंस के लिए खुशखबरी होगी। बता दें हाल ही में दोनों एक्ट्रेसेस को कॉफी विद करण में साथ देखा गया था।

अमेरिकी सांसदों ने भारत के साथ मजबूत संबंधों का संकल्प लिया, चीन को 'बड़ा खतरा' बताया

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने कहा कि चीन द्वारा दुनिया के समक्ष पेश किए जा रहे ''बड़े खतरे'' को देखते हुए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। कांग्रेस सदस्य एलेन गुडमैन लुरिया ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के जश्न समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने सशस्त्र सेवा समिति में काम किया और वाकई यह समझती हूं कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते कितने अहम हैं।'' वह प्रतिनिधि सभा में वर्जीनिया के दूसरी कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करती हैं। गौरतलब है कि 75 भारतीय-अमेरिकी संगठन 1947 के बाद की भारत की यात्रा की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए। कैलिफोर्निया के 48वीं कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से कांग्रेस सदस्य मिशेच युंजू स्टील ने कहा, ''कई भारतीय-अमेरिकी असल में कैलिफोर्निया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और मुझे इस पर बहुत गर्व है। हम एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि चीन दुनिया के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा, ''हमें केवल एक चीज जानने की जरूरत है कि चीन बहुत बड़ा खतरा है...बहुत स्वार्थी ढंग से वे पूरी दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। दुनिया पर पूरी तरह अपनी हुकूमत जमाने तक वे चुप नहीं बैठने वाले हैं। इसे देखते हुए पहले के मुकाबले (अमेरिका भारत का) यह रिश्ता कहीं महत्वपूर्ण है।'' अमेरिकी संसद में चार भारतीय-अमेरिकियों में से एक कांग्रेस सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा निर्यात भारतीय-अमेरिकी हैं। उन्होंने कहा, ''हम भारत के बारे में सब कुछ जानते हैं कि उसने कहां से शुरुआत की और अब किस स्थिति में है। हम जानते हैं कि यह दुनिया में सबसे तेजी से उभर रही बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम उसके बड़े प्रौद्योगिकी विकास, बड़े कृषि विकास और नवोन्मेष के बारे में जानते हैं। उसका सबसे बड़ा निर्यात आपके अलावा और कुछ नहीं है।

खालिस्तानी चरमपंथियों ने टोरंटो के स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाया

टोरंटो। कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के एक प्रमुख हिंदू मंदिर पर भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाकर उसे विरूपित करने का मामला सामने आया है। भारत ने इस घटना को घृणा अपराध करार देते हुए कनाडाई अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में यह घटना कब हुई, फिलहाल इस बारे में पता नहीं चल पाया है। टोरंटो स्थित भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को ट्वीट किया, 'हम टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों से घटना की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।' वहीं, कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने ट्विटर पर कहा, 'कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है। कनाडा के हिंदू मंदिरों को हाल के दिनों में इस तरह के कई घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। इन घटनाओं को लेकर कनाडा के हिंदुओं की चिंताएं जायज हैं।' ब्रैम्पटन दक्षिण की सांसद सोनिया सिद्धू ने भी इस घटना पर खेद प्रकट किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'टोरंटो में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने के कृत्य से मैं बहुत दुखी हूं। हम एक बहुसांस्कृतिक और बहु-आस्था वाले समुदाय में रहते हैं, जहां हर कोई सुरक्षित महसूस करने का हकदार है। घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए, ताकि उन्हें उनके कृत्यों की सजा दी जा सके।

चीन के शंघाई में तबाही मचाने के बाद पूर्वी तट की ओर बढ़ा मुइफा तूफान

बीजिंग। 'मुइफा' तूफान बृहस्पतिवार को चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले, बीती रात तूफान के चलते शंघाई शहर में तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बुधवार देर रात तूफान के तट से टकराने के बाद अधिकतम 125 किलोमीटर (77 मील) प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं, लेकिन सुबह तक तूफान कमजोर होकर ऊष्णकटिबंधीय चक्रवात में बदल गया। बृहस्तिवार को इसके जियांग्सू प्रांत के पूर्वी हिस्सों की तरफ बढ़ते सम और कमजोर होने का पूर्वानुमान है। शंघाई क्षेत्र में तूफान से किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है और बृहस्पतिवार को सार्वजनिक परिवहन सेवाएं फिर से शुरू की जा रही हैं। इससे पहले, तूफान के क्षेत्र से गुजरते समय इन सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी। सोशल मीडिया पर दक्षिणी शंघाई के निंगबो शहर में जलभराव की तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में बीती रात हुई भारी बारिश के बाद कई स्कूटर और कार पानी में डूबी हुई दिख रही हैं। जियांग्सू में तूफान की दस्तक के साथ भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है और प्रांत के सभी जिलों में बृहस्पतिवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह अधिकतम 108 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो दिन ढलते-ढलते धीरे-धीरे कमजोर होती चली जाएंगी।

स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी बातें लिखी, भारतीयों में गुस्सा -कनाडा के ब्रैम्पटन की घटना

टोरंटो । कनाडा स्थित स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी बातें लिखने का मामला सामने आया है। ना सिर्फ ऐसा किया गया है, बल्कि मंदिर की दीवार को कुछ को नुकसान भी पहुंचाया है। अराजक तत्वों द्वारा मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी लाइनें लिखी गई हैं। मामले को लेकर भारत सरकार ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। भारतीय उच्चायोग ने घटना की निंदा कर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने अपने ट्वीट में लिखा कि टोरंटो के स्?वामी नारायण मंदिर को नुकसान पहुंचाने और भारत विरोधी बातें लिखने की घटना का कड़े शब्?दों में निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है। फिलहाल भारतीय उच्चायोग ने मामले को कनाडा के अधिकारियों के समक्ष उठाकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है, घटना को किसी शख्?स ने या किसी संगठन से जुड़े लोगों ने किया है। बताया जा रहा है कि मंदिर की दीवारों पर भारत के विरोध में खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे गए। इस मामले के सामने आने के बाद कनाडाई सांसद सोनिया सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा कि टोरंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुई घटना से मैं व्यथित हूं। हम एक बहुसांस्कृतिक और बहुधर्मी देश में रहते हैं, जहां हर कोई सुरक्षित महसूस करने का हकदार है। जिम्मेदार लोगों को खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने निराशा जाहिर कर लिखा कि इस तरह की नफरत का कोई स्थान नहीं है। आशा हैं, कि जिम्मेदार अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस पूरे मामले पर भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने कहा कि कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है।

न्यूजीलैंड में 2 सूटकेस में मिले थे बच्चों के शव, मां गिरफ्तार

सियोल । दक्षिण कोरियाई पुलिस ने कहा है कि उन्होंने गुरुवार को दो बच्चों की मां मानी जाने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिनके अवशेष पिछले महीने न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में मिले थे। जानकारी के मुताबिक कोरियाई मूल की न्यू जोसेन्डर पर हत्या का आरोप है। कोरियाई राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने कहा कि वैश्विक पुलिस एजेंसी इंटरपोल द्वारा रेड नोटिस जारी किए जाने के बाद 40 साल की महिला को दक्षिण पूर्वी शहर उल्सान में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि महिला पर 2018 में ऑकलैंड में अपने 7 वर्षीय और 10 वर्षीय बच्चों की हत्या करने के बाद दक्षिण कोरिया भागने का संदेह था। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई अदालत इस बात की समीक्षा करेगी कि संदिग्ध को न्यूजीलैंड में प्रत्यर्पित किया जाए या नहीं। न्यूजीलैंड पुलिस ने ऑकलैंड में एक परिवार द्वारा स्टोरेज लॉकर में बच्चों के अवशेष पाए जाने के बाद हत्या की जांच शुरू की थी, जिसे उन्होंने ऑक्शन में खरीदा था। परिवार ने स्टोरेज लॉकर की सामग्री पर ऑनलाइन बोली लगाई थी। इन बोलियों में खरीदारों को नीलामी से पहले सामग्री के अंदर देखने की अनुमति नहीं होती है। ऐसे में यह बोली पूर्ण रूप से सामान के बाहरी रूप को देखकर ही लगाई जाती है। ऐसे ऑक्शन्स पर कई बड़े टीवी शो भी बन चुके हैं। जिस परिवार को शव मिले, उसका मौत से कोई संबंध नहीं था। पुलिस का मानना ??है कि बच्चों के शव करीब तीन से चार साल से सूटकेस में बंद थे। दोनों ही सूटकेस एक आकार के हैं। पुलिस के मुताबिक जिस परिवार ने स्टोरेज यूनिट से यह सामान खरीदा है, वह किसी भी तरह से घटना में शामिल नहीं है।

लंदन में महारानी एलिजाबेथ का ताबूत बकिंघम पैलेस से रॉयल होर्स आर्टलरी के जरिये वेस्टमिनिस्टर हाल ले जाया गया।

आठ चीते भारत ले जाने के लिए नामीबिया पहुंचा विशेष बी747 विमान

विंडहोक (नामीबिया)। भारत के मध्य प्रदेश में कुनो राष्ट्रीय उद्यान के लिए यहां से आठ चीते ले जाने के वास्ते एक विशेष बी747 विमान नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंच गया है। भारत में 1950 के बाद से चीतों के विलुप्त होने के बाद उन्हें फिर से वहां भेजा जा रहा है। चीतों को ले जाने के लिए भेजे गए विमान में विशेष व्यवस्था की गयी है। विंडहोक में भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को ट्वीट किया, ''बाघ की भूमि भारत में सद्भावना राजदूतों को ले जाने के लिए चीतों की भूमि में एक विशेष विमान पहुंच गया है।'' चीतों के अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण की परियोजना के तौर पर एक मालवाहक विमान से आठ चीते 17 सितंबर को राजस्थान के जयपुर पहुंचेंगे। इनमें से पांच मादा और तीन नर हैं। इसके बाद जयपुर से वे हेलीकॉप्टर से मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में अपने नए बसेरे कुनो राष्ट्रीय उद्यान जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में इन चीतों को छोड़ेंगे। भारत में चीतों को ले जा रहे विमान में कुछ बदलाव किए गए हैं ताकी उसके मुख्य केबिन में पिंजरों को सुरक्षित रखा जाए लेकिन उड़ान के दौरान पशु चिकित्सक चीतों पर पूरी तरह नजर रख सकेंगे। विमान को एक चीते की तस्वीर के साथ पेंट किया गया है। यह विशाल विमान 16 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है और इसलिए ईंधन भरवाने के लिए कहीं रुके बिना नामीबिया से सीधे भारत आ सकता है। भारतीय वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया था कि चीतों को हवाई यात्रा के दौरान खाली पेट रहना होगा।

भारत से लौटने के बाद बोली बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना, कहा- 'मैं खाली हाथ नहीं लौटी हूं'

ढाका। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को कहा कि उनकी हालिया भारत यात्रा से बांग्लादेश को फायदा हुआ है और वह ÷खाली हाथ÷ नहीं लौटी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी यात्रा ने दो मित्र पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में एक नया क्षितिज खोल दिया है। हसीना की यात्रा के दौरान, भारत और बांग्लादेश ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक कुशियारा नदी के पानी के बंटवारे पर था, जिससे दक्षिणी असम और बांग्लादेश के सिलहट के इलाकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हसीना ने पांच से आठ सितंबर के बीच भारत के चार दिवसीय दौरे के करीब हफ्ते भर बाद यहां संवाददाताओं को बताया, ÷उन्होंने (भारत) ने गंभीरता दिखाई और मैं खाली हाथ नहीं लौटी हूं।÷ उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि कोविड महामारी के कारण तीन साल के लंबे अंतराल के बाद मेरी यात्रा ने बांग्लादेश-भारत संबंधों में एक नया क्षितिज खोल दिया है।÷ उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के लोगों को उनकी भारत यात्रा के दौरान पहचाने गए सभी क्षेत्रों में सहयोग और मौजूदा द्विपक्षीय समस्याओं को हल करने के लिए लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

उनकी टिप्पणी तब आई जब मुख्य विपक्ष बीएनपी के नेताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश को उनकी (हसीना की) भारत यात्रा से कुछ नहीं मिला, जबकि इसके महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, ÷हसीना भारत से समझौते में असमर्थ हैं÷। हसीना ने कुशियारा नदी को लेकर सहमति पत्र को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और हरित अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक व लोगों से लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र में सहयोग पर भी समझौते किए हैं।

'तेज धमाका' और फिर धुंआ ही धुंआ, बाल-बाल बचे पुतिन, ऐसे हुआ जानलेवा हमला

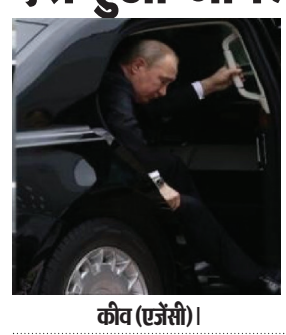

कीव (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हत्या के प्रयास में बाल-बाल बचे हैं। रिपोर्ट के अनुसार हमले में पुतिन बाल-बाल बच गए और जिसके बाद कई गिरफ्तारियां की गई हैं। हालांकि रूस में मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी गई है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हत्या के प्रयास कब किए गए। हालांकि इसके बाद कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं। यूरोवीकली की रिपोर्ट के अनुसार पुतिन की कार के आगे के पहिये में जोरदार धमाका हुआ। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 69 वर्षीय पुतिन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उनकी हत्या के प्रयास में सुरक्षाकर्मियों द्वारा कई गिरफ्तारियां की गई हैं।

यूरोवीकली के अनुसार पुतिन के निवास के रास्ते में, कुछ किलोमीटर दूरी पर पहली एस्कॉर्ट कार को एक एम्बुलेंस द्वारा ब्लॉक कर दिया गया और दूसरी एस्कॉर्ट कार बिना रुके अचानक बाधा के कारण इधर-उधर चली गई।'इसके बाद पुतिन की कार में, बाएं सामने के पहिये से तेज धमाके की आवाज आई और उसके बाद धुआं निकला। हालांकि, हमले के बावजूद, पुतिन सही बाहर निकाले गए और अपने आवास पर पहुंच गए।

गौरतलब है कि पिछले महीने ही एक कार बम विस्फोट में पुतिन के एक दोस्त की बेटी की मौत हो गई थी। पुतिन के युद्ध के मास्टरमाइंड अलेक्जेंडर डुगिन की बेची दरिया दुगिना की मृत्यु मौके पर ही हो गई जबकि उनके पिता विस्फोट में बाल बाल बचे।

महाराजा के रूप में चार्ल्स का जलवायु परिवर्तन पर काम करते रहना स्वीकार्य होगा: अल्बानीस

कैनबरा। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस का कहना है कि अगर महाराजा चार्ल्स तृतीय अपनी नयी भूमिका में भी जलवायु परिवर्तन पर काम करने की वकालत जारी रखते हैं तो वह 'पूरी तरह स्वीकार्य है।' महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के लिए सिडनी से बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई शिष्टमंडल की रवानगी से पहले प्रधानमंत्री अल्बानीस ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि नये महाराजा यह तय करेंगे कि वह ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की वकालत करना जारी रखेंगे या नहीं, जैसा कि वह युवराज रहते हुए कर रहे थे।

अल्बानीस ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कोर से कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि राजशाही दलगत राजनीति से दूरी बनाए रखे। लेकिन, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे भी हैं, जिनपर मुझे लगता है कि अगर वह बोलना जारी रखते हैं तो यह पूरी तरह स्वीकार्य होगा।'' अल्बानीस की नयी मध्य-वामपंथी लेबर पार्टी सरकार ने कानून बनाकर इस दशक के अंत तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को 2005 के स्तर के मुकाबले 42 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य रखा है। पूर्ववर्ती कंजरवेटिव सरकार के तहत 2030 तक के लिए यह लक्ष्य 26 से 28 फीसदी रखा गया था।

'अब मित्र देश भी पाकिस्तान को भिखारी समझने लगे हैं', पीएम शहबाज शरीफ का दर्द

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

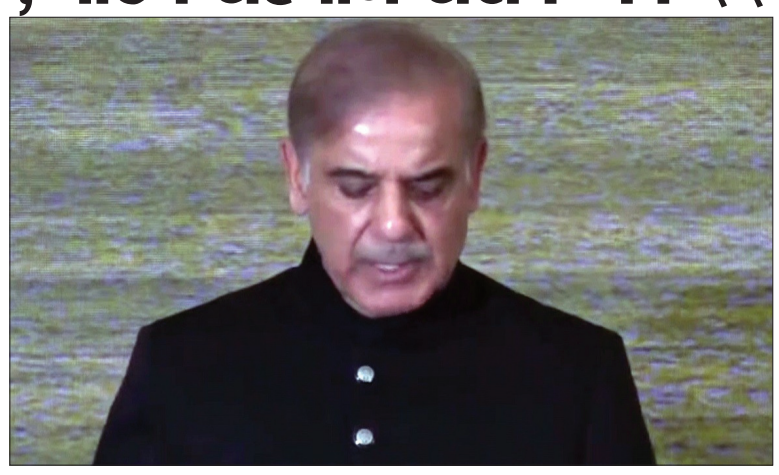

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की संकट में फंसी अर्थव्यवस्था की कमजोर तस्वीर पेश करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि मित्र राष्ट्र भी अब पाकिस्तान को ऐसे देश के रूप में देखने लगे हैं जो लगातार पैसे की भीख मांगता रहता है। स्थानीय सामाचार पत्र, 'डॉन न्यूज' ने शरीफ का हवाला देते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री ने बुधवार को वकीलों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि आज जब हम किसी मित्र देश में जाते हैं या उन्हें फोन करते हैं, तो वे सोचते हैं कि हम उनसे पैसे मांगने आये हैं।''

शरीफ ने कहा कि छोटी अर्थव्यवस्थाओं ने भी पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है और हम पिछले 75 साल से कटोरा लेकर भटक रहे हैं। शरीफ के अनुसार, पहले से ही देश की अर्थव्यवस्था एक 'चुनौतीपूर्ण स्थिति' का सामना कर रही थी... अब बाढ़ ने भी इसे और अधिक मुश्किलों में डाल दिया है। नकदी की कमी से जूझ रहा यह देश पिछले 30 वर्षों की सबसे भीषण बाढ़ से भी जूझ रहा है। इस साल जून माह की शुरुआत से बाढ़ के कारण 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है और 3.3 करोड़ लोग इस आपदा से प्रभावित हैं। वहीं देश का एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया। यहां हर सात में से एक व्यक्ति बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। बाढ़ से लगभग 78,000 वर्ग किलोमीटर (2.1 करोड़ एकड़) फसल पानी में डूब गई है और करीब 12 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान है।

किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता में शामिल नहीं होगा श्रीलंका: विक्रमसिंघे

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि उनका देश हिंद महासागर में किसी भी ''बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता'' में शामिल नहीं होगा और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनका देश हंबनटोटा को लेकर ''दो पाटों के बीच में पीस रहा है।'' कुछ सप्ताह पहले चीन के एक उन्नत पोत के श्रीलंका के हंबनटोटा आने को लेकर भारत और चीन के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। उन्होंने भू-राजनीतिक मंच पर श्रीलंका की स्थिति पर कहा कि श्रीलंका निश्चित रूप से नहीं चाहता कि प्रशांत महासागर की समस्या हिंद महासागर में आए।

विक्रमसिंघे ने बुधवार को राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के स्नातक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''हम किसी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं होते और हम निश्चित रूप से नहीं चाहते कि प्रशांत महासागर की समस्याएं हिंद महासागर में आएं। हम नहीं चाहते कि यह संघर्ष का क्षेत्र और युद्ध का क्षेत्र हो। श्रीलंका किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता में शामिल नहीं होगा।'' विक्रमसिंघे की यह टिप्पणी चीनी दूतावास और भारतीय उच्चायोग के बीच श्रीलंका के दक्षिणी हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जहाज युआन वांग 5 के आने को लेकर वाकयुद्ध के कुछ सप्ताह बाद आयी है।

विक्रमसिंघे ने कहा कि ''हिंद महासागर की भू-राजनीति ने दुर्भाग्य से श्रीलंका को हंबनटोटा को लेकर दो पाटों के बीच में पीस दिया है।'' विक्रमसिंघे ने कहा, ''यह कोई सैन्य बंदरगाह नहीं है। हालांकि हमारा बंदरगाह एक वाणिज्यिक बंदरगाह है, लेकिन यह हमारे रणनीतिक महत्व को दर्शाता है कि कई लोग ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचते हैं जो अनुचित हैं।'' बंदरगाह को लेकर विक्रमसिंघे की यह टिप्पणी हाल के सप्ताह में इस मुद्दे पर उनकी दूसरी सार्वजनिक टिप्पणी है। गत 30 अगस्त को, राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने सभी राजनीतिक दलों से एक सर्वदलीय सरकार में शामिल होने की अपील की थी ताकि द्वीपीय देश को सबसे खराब आर्थिक संकट से निकालने में मदद की जा सके।

विक्रमसिंघे ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ''हम अब ऋण सहायता पर निर्भर राष्ट्र नहीं रह सकते हैं। हमें अब मजबूत अर्थव्यवस्था वाले अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप के साधन के रूप में भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'' विक्रमसिंघे ने यह भी कहा कि श्रीलंका किसी भी बड़ी शक्ति प्रतिद्वंद्विता से बाहर रहेगा। उन्होंने कहा कि देश को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रतिद्वंद्विता हिंद महासागर में संघर्ष का कारण न बने। एक ऑनलाइन पोर्टल 'न्यूज फर्स्ट' ने विक्रमसिंघे के हवाले से कहा, ''यह एक ऐसी चीज है जिसे हम

बर्दाश्त नहीं कर सकते।''

श्रीलंका ने 16 से 22 अगस्त तक चीनी पोत को बंदरगाह पर रुकने की अनुमतिप्रदान की थी। भारत में इस बात की आशंका थी कि चीनी पोत के ट्रैकिंग सिस्टम श्रीलंकाई बंदरगाह के रास्ते में भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की जासूसी करने का प्रयास कर सकते हैं। भारत ने पिछले महीने चीन पर यह आरोप लगाने के लिए पलटवार किया कि वह श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। भारत ने बीजिंग से दृढ़ता से कहा कि कोलंबो को अब किसी अन्य देश के एजेंडे की पूर्ति के लिए ''अवांछित दबाव या अनावश्यक विवाद नहीं'' बल्कि समर्थन की आवश्यकता है।

सार समाचार

श्रीनगर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अलकायदा से संबद्ध दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के नौगाम थाना क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अलकायदा से संबद्ध अंसार गजवात-उल हिंद (एजीयूएच) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों की शिनाख्त एजाज रसूल नजर और शाहिद अहमद उर्फ अबू हमजा के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर नौगाम थानाक्षेत्र के डांगेरपोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने तलाशी एवं घेराबंदी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की और फिर दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में दो आतंकवादी मारे गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कश्मीर) विजय कुमार ने ट्वीट किया, '' मारे गए आतंकवादी आतंकी संगठन एजीयूएच से संबद्ध थे और दोनों की पहचान पुलवामा के एजाज रसूल नजर और शाहिद अहमद उर्फ अबू हमजा के रूप में हुई है। वे पुलवामा में दो सितंबर, 2022 को पश्चिम बंगाल के मजदूर मुनीर उल इस्लाम पर आतंकवादी हमले में शामिल थे।

हिजाब मामला- कर्नाटक सरकार के पास स्कूल यूनिफॉर्म अनिवार्य करने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हिजाब मामले में शीर्ष कोर्ट के जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की बेंच ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। हिजाब प्रतिबंध को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि राज्य में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि कर्नाटक सरकार के पास शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफॉर्म अनिवार्य करने की शक्ति थी। एससी ने कहा कि आप तर्क दे सकते हैं कि उनका परिपत्र किसी भी वैधानिक प्रावधान का उल्लंघन हो सकता है, लेकिन यह कहना कि उनके पास शक्ति नहीं है, सही नहीं है। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, भले ही राज्य के फरवरी 2022 के सर्कुलर, जिसने सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफॉर्म अनिवार्य कर दिया हो। अगर सर्कुलर में गलत सेक्शन का भी जिक्र किया गया है, तो इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। इस अदालत के एक फैसले के बाद एक वैधानिक आदेश और एक कार्यकारी आदेश के बीच का अंतर समाप्त कर दिया गया है। इससे पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि अगर हिजाब पर बैन जारी रहा तो स्कूली छात्राएं वापस मदरसे में जाने के लिए मज़बूर होगी। कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पर बैन के बाद अभी तक 17 हजार छात्राएं स्कूल छोड़ चुकी है। वो परीक्षा में शामिल नहीं हुई। वकील हुजेफा अहमदी की इस दलील पर जस्टिस सुधांशु धुलिया ने पूछा- क्या आप ये कहना चाहते है कि लड़कियां हिजाब नहीं पहनना चाहती, उन्हें इसके लिए मज़बूर किया जाता है?

बिहार बढ़ते अपराधों पर प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर साधा निशाना

नई दिल्ली । बिहार में बढ़ते अपराधों को लेकर प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। सीएम से मुलाकात को लेकर प्रशांत किशोर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। पीके ने मुलाकात के बाद नीतीश कुमार के साथ एक बार फिर से जाने के कयासों को खारिज किया है। इसके साथ ही हाल में हुई आपराधिक घटनाओं के लिए सीधे नीतीश कुमार पर हमला बोला है। चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि बिहार में जिस तरह से घटनाएं हो रही हैं, उससे लोगों की आशंकाएं सच साबित होती दिख रही है। बेगूसराय में 24 राउंड फायरिंग और 10 लोगों को गोली मारे जाने पर प्रशांत किशोर ने कहा कि इससे पता चलता है कि लोगों की आशंकाओं को बल मिल रहा है। जब से यह सरकार बनी है, तब से कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का डर बढ़ा है और आशंकाएं सही साबित होती दिख रही हैं। हर जिले से आपको ऐसी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। वहीं एक बार फिर नीतीश कुमार के साथ जाने की अटकलों को भी खारिज किया है। एक बातचीत में पीके ने कहा, 'मैं अपने रास्ते पर कायम हूं। वह बिहार के सीएम हैं और मैं भी इसी राज्य का रहने वाला हूं। कुछ लोग बता रहे हैं कि मैंने रात के अंधेरे में मुलाकात की। ऐसा कुछ नहीं है। मैं उनसे शाम को 4-300 बजे मुलाकात की थी और यह मीटिंग सरकारी आवास में ही हुई थी। मैंने उन्हें बताया कि पिछले 4 से 5 महीने में बिहार में क्या देखा है।' प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं अपनी स्थित से पीछे हटने वाला नहीं हूं। मैंने 2 अक्टूबर से जन सुराज यात्रा का ऐलान किया है और इससे पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने कहा कि हमारे कॉमन फ्रेंड हैं पवन वर्मा, उन्होंने कहा था कि मिल लेने में कोई बुराई नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरे और उनके बीच कुछ विवाद की बात आपने सुनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर को बिहार की राजनीति का एबीसी भी नहीं पता है। यह उनकी समझ है। मैं दोहराता हूं कि यदि वह एक साल में 10 लाख नौकरियां दे दें तभी मेरे साथ आने की कोई बात हो सकती है। जनसुराज यात्रा की मेरी तैयारी है और उसमें कोई फेरबदल नहीं हो सकता। क्या आरजेडी के साथ नीतीश का हाथ मिलाना गलत फैसला है? इस पर पीके ने कहा कि बीते कुछ सालों से बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती गई है। बिहार में जब से शराबबंदी लागू हुई है, तब से प्रशासन का बड़ा हिस्सा इसमें लगा है। यह प्रशासन का मूल काम नहीं है। पुलिस और एजेंसियां यदि इस काम में लगेंगी तो फिर वे अपने मूल काम को कैसे करेंगी।

राजनाथ ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से की बात, पाकिस्तान के एफ-16 विमान बेड़े के लिये 'पैकेज' पर जताई चिंता

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से बातचीत में पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान बेड़े के रख-रखाव के लिए पैकेज देने के अमेरिका के फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की। सिंह ने ऑस्टिन से फोन पर बातचीत की और इस मुद्दे पर चिंता प्रकट की। रक्षा मंत्री ने ट्विटर पर लिखा, ''पाकिस्तान के एफ-16 विमानों के बेड़े के लिए पैकेज प्रदान करने के अमेरिका के हालिया फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की।'' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान के बेड़े के रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। राजनाथ सिंह ने कहा, ''अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से टेलीफोन पर अच्छी और लाभप्रद बातचीत हुई। हमने रणनीतिक हितों और विस्तृत रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के बढ़ते तालमेल पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''हमने तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के तरीकों एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की।'' सिंह ने कहा कि वह भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिहाज से अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए आशान्वित हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अमेजन इंडिया से पाकिस्तान निर्मित रूहअफजा को अपनी सूची से हटाने को कहा

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में अमेजन इंडिया से पाकिस्तान निर्मित रूह अफजा को अपनी सूची से हटाने के लिए कहा है, साथ ही यह भी पूछा कि ऐसा कैसे हुआ। हाई कोर्ट ने कहा कि रूहअफजा के क्वालिटी स्ट्रैंडर्ड को फूड सेफ्टी एक्ट के नियमों का पालन करना होगा। मामले में अमेजन को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब रूह अफजा की भारतीय निर्माता हमदर्द ग्रुप ने एक मामला दर्ज किया था जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान निर्मित रूह अफजा भारत में बेचा जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमदर्द नेशनल फाउंडेशन और हमदर्द लेबोरेटरीज इंडिया की एक याचिका में शिकायत की गई कि अलग-अलग ब्रांड अमेजन पर रूह अफजा को अवैध रूप से बेच रहे हैं। यह भी कहा गया कि कुछ विक्रेताओं ने कानूनी नोटिस दिए जाने के बाद ऐसा करना बंद कर दिया। लेकिन हाल ही में पाकिस्तान में निर्मित रूह अफजा की बोतलें बेचने वाले एक विक्रेता को फिर देखा गया है। निर्माताओं में से एक जिसका उत्पाद अमेजन पर बेचा जा रहा था, वह था हमदर्द लैब (वक्फ) पाकिस्तान का था। अपनी याचिका में कंपनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में कुछ दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। इसके बाद मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए टिप्पणियां की हैं। हाई कोर्ट ने अमेजन को भारत में अपनी वेबसाइट से पाकिस्तानी रूह अफजा को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है और कहा कि आश्चर्य की बात है कि एक आयातित उत्पाद निर्माता के पूर्ण विवरण का खुलासा किए बिना बेचा जा रहा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि जब पाकिस्तान स्थित उत्पाद सूची में 'विजिट द हमदर्द स्टोर' का विकल्प चुना गया था, तो कस्टमर को हमदर्द लैबोरेटरीज इंडिया की वेबसाइट पर भेज दिया गया, अगर ऐसा है तो गलत है। यह गुमराह करने वाला है। अमेजन एक मध्यस्थ होने का दावा करता है, इसलिए उसे विक्रेताओं के नाम और उत्पाद लिस्टिंग के साथ उनके संपर्क विवरण की जानकारी देने का दायित्व है।

गांधी परिवार ही चुनेगा कांग्रेस का नया अध्यक्ष! पार्टी के चुनावी प्रक्रिया पर फिर से उठने लगे सवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव होने जा रहा है। 17 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मतदान होंगे। मतदान एक से अधिक व्यक्तियों के नामांकन के बाद ही कराया जाएगा। कांग्रेस का दावा है कि पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत यह चुनाव कराए जा रहे हैं। लेकिन इस चुनावी प्रक्रिया पर सवाल भी लगातार उठाए जा रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस के आलाकमान की ओर से सभी राज्य इकाइयों को 20 सितंबर से पहले एक प्रस्ताव पारित करने का आदेश दिया है। दावा किया जा रहा है कि इसमें सोनिया गांधी को सभी राज्य इकाई के प्रमुख और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्यों को नामित करने के लिए कहा जाएगा। यही कारण है कि अब कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या अब गांधी परिवार से ही अगला अध्यक्ष बनेगा या गांधी परिवार ही अगला अध्यक्ष तय करेगा।

एक चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा अध्यक्ष सोनिया गांधी को कांग्रेस के अगले अध्यक्ष के नाम की अनुमति देने के प्रस्ताव पारित करने से कोई नहीं रोक सकता है। राज्य के प्रदेश कमेटियों को 20 तारीख से पहले ही प्रस्ताव पारित करने का अनुरोध किया गया है। सवाल इसलिए भी उठने लगे हैं क्योंकि 22 सितंबर से चुनाव अधिसूचना के प्रक्रिया शुरू हो रहे हैं। 25 से 30 सितंबर के बीच नामांकन दाखिल किए जाएंगे। माना जा रहा है कि सोनिया गांधी चुनाव लड़ने नहीं जा रही हैं। लेकिन जिस वजह से कांग्रेस पार्टी मुश्किल में हैं, वह है कि राहुल गांधी अध्यक्ष चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। ऐसे में ही बात स्पष्ट रूप से है कि फिलहाल गांधी परिवार बाहर से किसी अध्यक्ष को चाहता है। यह ऐसा होगा जो कि गांधी परिवार का सबसे भरोसेमंद भी हो।

इसका मतलब यह भी है कि प्रियंका गांधी भी चुनाव नहीं लड़ने जा रही है जिन्हें एक विकल्प माना जा रहा था। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश का दावा है कि नए अध्यक्ष चुनने के लिए व्यापक सहमति बनाई जानी चाहिए और किसी भी स्थिति में संगठन से जुड़े मामलों में गांधी-नेहरू परिवार का महत्व बना रहे। जयराम रमेश ने तो यह भी कह दिया कि गांधी परिवार से बाहर से भी कोई अध्यक्ष बनता है तो भी सोनिया गांधी की ओर हर व्यक्ति उम्मीद के साथ देखेगा और राहुल गांधी वैचारिक रूप से केंद्रबिंदु में बने रहेंगे। यही कारण है कि लगातार सवाल उठ रहा है कि दूसरे के अध्यक्ष बनने के बावजूद भी राहुल गांधी बैक शीट पर बैठेंगे और पार्टी को चलाने का काम करेंगे।

दुनिया के देशों को जलवायु परिवर्तन, सतत विकास के मुद्दे पर मिलकर काम करना चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, सतत विकास जैसे मुद्दे काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं और दुनियाभर के देशों को इनका समाधान निकालने के लिये साथ मिलकर काम करना चाहिए। मुर्मू ने राष्ट्रीय रक्षा कालेज के 62वें कोर्स से जुड़े शिक्षकों एवं कोर्स करने वाले सदस्यों को राष्ट्रपति भवन में संबोधित करते हुए यह बात कही।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमें न केवल पारंपरिक खतरों से निपटने के लिये अपने आप को तैयार रखना चाहिए बल्कि अप्रत्याशित प्रकृति सहित अनदेखे खतरों के लिये भी तैयारी करनी चाहिए। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि हम विविधतापूर्ण दुनिया में हैं जहां पर एक छोटा बदलाव व्यापक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा कि कभी कभी इससे सुरक्षा से संबंधित आयाम जुड़े होते हैं। कोविड महामारी की गति ऐसे खतरों का एक उदाहरण है जिसका सामना आज मानवता कर रही है। इसके कारण मानव जातिइसके खतरों को समझ पायी है। मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे मुद्दे आज काफी महत्वपूर्ण हैं। यही समय है जब दुनिया के देशों को साथ आना चाहिए और इसका समाधान निकालने के लिये काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सुरक्षा की बात अक्सर हमारी चर्चाओं में आती है और इसका व्यापक प्रभाव होता है।

एकनाथ शिंदे नाममात्र के मुख्यमंत्री, मोदी-शाह के इशारे पर महाराष्ट्र का प्रशासन: नाना पटोले

मुंबई (एजेंसी)।

वेदांता-फॉक्सकॉन का महाराष्ट्र में प्रस्तावित 2 लाख करोड़ रुपए के निवेश का गुजरात चला जाना, एक बेहद गंभीर बात है । इससे यह स्पष्ट हो गया है कि एकनाथ शिंदे राज्य में नाममात्र के मुख्यमंत्री हैं, जबकि महाराष्ट्र का प्रशासन पीएम नरेन्द्र मोदी और केन्दीय मंत्री अमित शाह के इशारे पर दिल्ली से चल रहा है। शिंदे सरकार पर यह जोरदार हमला महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने किया है। उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन का गुजरात जाना महाराष्ट्र के साथ एक बड़ा अन्याय है। इस संबंध में मीडिया से बात करते हुए नाना पटोले ने कहा कि महाविकास आघाडी सरकार ने राज्य में निवेश लाने के प्रयास में फॉक्सकॉन के साथ सकारात्मक चर्चा की थी। महाराष्ट्र सरकार और वेदांता -फॉक्सकॉन के बीच की बातचीत अंतिम चरण तक पहुंच गई थी। पुणे के पास तलेगांव की जगह गुजरात की तुलना में अधिक लाभदायक थी। महाराष्ट्र सरकार ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए इन कंपनियों को अच्छा पैकेज दिया था, लेकिन जैसे ही राज्य में सरकार बदली, प्रोजेक्ट को गुजरात शिफ्ट कर दिया गया। यह बेहद चौकाने वाला फैसला है। पटोले ने कहा कि यदि यह परियोजना तलेगांव में शुरू की जाती तो महाराष्ट्र के लाखों युवाओं को रोजगार मिलने के साथ- साथ छोटे-बड़े उद्योगों को काफी फायदा होता । लेकिन भाजपा नेता माविआ सरकार को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है, जबकि शिंदे - फडणवीस की ईडी सरकार तब तक सोई रही, जब तक कि महाराष्ट्र का यह बड़ा प्रोजेक्ट गुजरात में नहीं चला गया। साल 2014-19 में देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल के दौरान, मुंबई में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय वित्त केंद्र, डॉकयार्ड, और हीरा व्यापार गुजरात चला गया और अब फॉक्सकॉन भी गुजरात चला गया है । पटोले ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी की साजिश को देखते हुए अगर एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस कल मुंबई को भी गुजरात को दे दें तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए।

शराब घोटाला में मनीष सिसोदिया बोले- अगर स्टिंग सही है तो मुझे गिरफ्तार कर लें

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को घेरने के लिए भाजपा द्वारा कथित शराब घोटाले से जुड़ा एक कथित स्टिंग वीडियो साझा करने के बाद भाजपा पर निशाना साधा है। सिसोदिया ने भाजपा को खुली चुनौती देते हुए दावा किया कि अगर स्टिंग वीडियो सही है तो वह गिरफ्तार होने को तैयार हैं। भाजपा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्टिंग वीडियो दिखाया था।

वीडियो में शराब व्यापार से जुड़ा एक व्यक्ति दावा कर रहा है कि दिल्ली में आप सरकार ने जानबूझकर छोटे खिलाड़ियों को अपनी 'आबकारी नीति से बाहर रखा ताकि कुछ लोगों को बाजार पर एकाधिकार करने में मदद मिल सके। हालांकि अब ये नीति अब वापस ले ली गई है। भाजपा ने आगे दावा किया कि गोवा या पंजाब में चुनाव के लिए इस्तेमाल करने के लिए, आप को शराब के दिग्गजों द्वारा कुल 100 करोड़ रुपये नकद में दिए गए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा को यह स्टिंग सीबीआई को सौंपना चाहिए क्योंकि जांच एजेंसी 'भाजपा की विस्तारित इकाई की तरह काम कर रही है।' मनीष सिसोदिया ने कहा, 'अगर स्टिंग सही है तो मुझे गिरफ्तार कर लें। सिसोदिया ने कहा कि नहीं तो आप मान लेना यह भाजपा और पीएम मोदी के दफ्तर से रची गई साजिश है। आजकल पीएम ऑफिस में सरकारें गिराने की साजिश ही रची जा रही है। सीबीआई इसकी जांच करे और पूरे इंटेलिजेंस लगाकर जांच करे। पूरी जांच करके अरेस्ट करें नहीं तो मानो कि स्टिंग झूठा है और प्रधानमंत्री दफ्तर की साजिश है। माफी मांगें कि स्टिंग झूठा है, गलत साजिश की।'

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बुनियादी ढांचा बढ़ाने की दिशा में काम कर रही सरकार - प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को इंजीनियर दिवस के मौके पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भारत की खुशनसीबी है कि उसके पास बड़ी संख्या ऐसे में कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियर हैं, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इंजीनियर दिवस तत्कालीन मैसूर साम्राज्य के दीवान एम विश्वेश्वरैया की जयंती के मौके पर मनाया जाता है, जिन्हें इंजीनियरिंग क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्यों के लिए जाना जाता था। मोदी ने ट्वीट किया, 'इंजीनियर दिवस पर सभी इंजीनियरों को शुभकामनाएं। हमारा देश खुशनसीब है कि हमारे पास बड़ी संख्या में ऐसे कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियर हैं, जो राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। हमारी सरकार अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के निर्माण सहित इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।' उन्होंने कहा, 'इंजीनियर दिवस पर हम सर एम विश्वेश्वरैया के अभूतपूर्व योगदान को याद करते हैं। वह इंजीनियरों की भावी पीढ़ियों को कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करते रहें, यही कामना है।' प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम का एक अंश भी साझा किया, जिसमें वह इस विषय पर बात करते सुनाई दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में एक और दर्दनाक हादसा अब राजौरी में बस खाई में गिरी

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू और कश्मीर के राजौरी में उस वक्त दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक बस अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। जिले के भीमबेर गली के पास आज सुबह कई यात्रियों को लेकर जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। इस बात की जानकारी मंजाकोट तहसीलदार जावेद चौधरी ने दी। इस हादसे के बाद चारों तरफ हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में बस में सवार कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, पुलिस शवों को कब्जे में लेकर उनकी शिनाख्त करने में जुटी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बस हादसे की कुछ तस्वीरें जारी की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि यह हादसा कितना भयावह है। इस हाससे पर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दुख जताया है। एलजी के कार्यालय की ओर से जारी बयान में मनोज सिन्हा ने कहा कि राजौरी में हुए दर्दनाक हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर घायलों को जल्द से जल्द ठीक करें। जिला प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को भी जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा ही हादसा हुआ था। पुंछ जिले में बुधवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 29 अन्य घायल हो गए थे। मरने वालों में चार महिलाएं शामिल थीं। यह हादसा इतना बड़ा था कि सेना को बचाव अभियान चलाना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक, बस गली मैदान से पुंछ की तरफ जा रही थी और सुबह 8।30 बजे सावजियान के सीमावर्ती इलाके में बरारी नाले के पास यह हादसे की शिकार हो गई।

शाह के हिंदी पर बयान पर स्टालिन का तंज, कहा- भाजपा को इंडिया को हिंदिया में बदलने की कोशिशों को रोकना होगा

बेंगलुरु (एजेंसी)।

हिंदी दिवस 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी के प्रचार को लेकर अनेक आयोजन हुए। वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस मौके पर केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदी दिवस के बजाए भारतीय भाषा दिवस मनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही तमिलनाडु सीएम ने हिंदी भाषा पर गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों का जवाब दिया है। स्टालिन ने कहा कि भाजपा को इंडिया को हिंदिया में बदलने की कोशिशों को रोकना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि 8वीं अनुसूची की सभी 22 भाषाओं को सरकार की आधिकारिक भाषा घोषित करें। हिंदी न तो राष्ट्रभाषा है और न ही एकमात्र राजभाषा। हमें हिंदी दिवस के बजाय भारतीय भाषा दिवस मनाना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र केवल एनईपी के जरिए हिंदी और संस्कृत थोपता है। केंद्र को हिंदी बनाम अन्य भाषाओं के विकास के लिए खर्च किए गए संसाधनों में भारी अंतर को पाटना चाहिए। तमिलनाडु लंबे समय से केंद्र पर हिंदी थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाता रहा है। स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पेश करने की केंद्र की कथित योजना के खिलाफ राज्य की लड़ाई के बाद भाषा का विभाजन व्यापक हो गया।

ज्ञात हो कि हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीते दिन कहा था कि हिंदी भाषा प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि देश की अन्य सभी भाषाओं की 'मित्र' है। गृह मंत्री ने कहा कुछ लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कि हिंदी और गुजराती, हिंदी और तमिल, हिंदी और मराठी प्रतिस्पर्धी हैं। हिन्दी देश की किसी अन्य भाषा की प्रतियोगी नहीं हो सकती। आपको यह समझना चाहिए कि हिंदी देश की सभी भाषाओं की मित्र है।

कांग्रेस का केजरीवाल पर निशाना साधा, उन्हें 'सबसे बड़ा झूठा' करार दिया

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

गुजरात में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधाते हुये आरोप लगाया कि यह ''सबसे भ्रष्ट'' पार्टी है और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ''सबसे बड़े झूठे'' हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अजय कुमार ने विश्वास जताया कि कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को को करारा जवाब देगी। प्रदेश में इस साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। उन्होंने स्वीकार किया कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी को और अधिक आक्रामक होने की जरूरत है। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अब यह स्पष्ट हो गया है कि आप सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'बी टीम' है। हाल ही में, दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार लगभग 3,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में लिप्त पायी गई थी। केजरीवाल को सबसे बड़े झूठे और आप को सबसे भ्रष्ट पार्टी के रूप में बेनकाब किया जाना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''गुजरात में कांग्रेस निश्चित रूप से आप को करारा जवाब देगी। लोगों को हर समय बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। हम यह भी मानते हैं कि कांग्रेस को और अधिक आक्रामक होने की जरूरत है।'' कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कुमार ने आरोप लगाया कि आप का दिल्ली मॉडल भाजपा के गुजरात मॉडल की तरह खोखला है। उन्होंने केजरीवाल पर वास्तविक कारणों के बजाय विज्ञापन और प्रचार पर अधिक धन खर्च करने का आरोप लगाते हुए आप को अरविंद ऐड्वर्टाइज़मेन्ट पार्टी (अरविंद विज्ञापन पार्टी) और ''अरविंद एक्टर पार्टी'' (अरविंद अभिनेता पार्टी) करार दिया। कुमार ने कहा, ''केजरीवाल पंजाब के लोगों को गुमराह करके अब गुजरात आ गए हैं। केजरीवाल छोटे मोदी नहीं हैं, वह बड़े मोदी हैं। वह झूठे वादे करने में सुपर पीएचडी हैं। उन्होंने पिछले आठ साल में पूरे भारत में अपने प्रचार पर लगभग 1,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में आप सरकार ने गुजरात में अपने विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए केवल दो महीनों में 36 करोड़ रुपये खर्च किए।

दिल्ली सरकार के शिक्षा मॉडल को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कुमार ने कहा कि आप के बड़े-बड़े दावों के बावजूद 80 फीसदी सरकारी स्कूल अब भी बिना प्राचार्य के हैं जबकि 500 ??के वादे के मुकाबले सिर्फ 63 मॉडल स्कूल बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने दिल्ली में अपने आठ साल लंबे शासन के दौरान एक भी सड़क, अस्पताल या फ्लाईओवर नहीं बनाया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के लक्ष्मीनगर रोड पर फायरिंग, पुलिस ने हथियार और बाइक जब्त की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वेड रोड इलाके में देर रात फायरिंग की घटना हुई है. ज्ञात हआ है कि फायरिंग निजी रंजिश के चलते हुई है। आमने-सामने की लड़ाई के बाद आरोपी हवा में फायरिंग कर फरार हो गया। घटना की जानकारी चौक बाजार पुलिस को मिलते ही मौके पर पहुंची और जांच शुरूकी.

पुलिस से प्राथमिक जानकारी मिल रही है कि निजी रंजिश के चलते फायरिंग की गई है। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पूरे मामले में चौक बाजार पुलिस निजी रंजिश के चलते फायरिंग की खबर सुनते ही चौक बाजार का पुलिस काफिला दौड़ रहा था . पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। ने शिकायत दर्ज कर ली है। झोपड़ी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने फायरिंग करने वाले आरोपी को पकड़ने के लिए पहिए को चालू कर दिया है.

हथियार और बाइक को जब्त करने के बाद चौक बाजार थाने के पीआई मनोज गढ़वी ने बताया कि हितेश सोलंकी नाम के शख्स पर फायरिंग की गई. हितेश के मुताबिक कुछ दिन पहले हेमंत नाम के शख्स से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, निजी रंजिश के चलते मुझे नौकरी से निकाला गया है. मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। मौके पर हाथापाई के बाद आरोपी फरार हो गया। मौके से जांच के दौरान हथियार व बाइक को जब्त किया गया है।

सूरत का ज्वैलर अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए शराब बेच रहा था, रेलवे एलसीबी ने पकड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर से सूरत में हीरे का काम करने आया ज्वैलर शराब बेचने मजबूर है। वह हीरे की कमाई की इच्छा से सूरत आया था, लेकिन उसके परिवार को हीरे में मिलने वाले मुआवजे से पर्याप्त पेट नहीं भर सका, उसने शराब बेचने का बेहतर तरीका ढूंढ लिया। इसलिए वह महाराष्ट्र राज्य से विदेशी शराब लाकर उसे बेच देता था सूरत में उस समय उसे सूरत रेलवे की स्थानीय अपराध शाखा ने पकड़ा था सूरत रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरूकर दी है।

रत्नाकालकर को खुदरा स्टोर पर शराब बेचने के लिए मजबूर किया गया था।

सूरत में विकसित हीरा उद्योग के कारण, सूरत ने एक हीरे के शहर के रूप में पहचान बनाई है और लोग अपने भाग्य को चमकाने और जीविका कमाने के लिए दूसरे राज्यों और शहरों से सूरत आ रहे हैं। इस हीरा उद्योग में पिछले कुछ सालों से सूरत में आकर हीरा कारोबार कर रहा था। हीरे के काम में मंदी के कारण पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला। माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का पालन करना मुश्किल हो गया। इसलिए जौहरी ने हीरे के काम के साथ-साथ शराब बेचने का एक अच्छा तरीका ढूंढ लिया। अंत में, रत्नाकलकर को शराब बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा कौशिक के रिटेल में वह अपने परिवार का भरण-पोषण करने की कोशिश कर रहा था। कौशिक महाराष्ट्र के मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन से शराब लाता था।

रत्न कलाकार कौशिक महाराष्ट्र से ट्रेन से सूरत में शराब लाता था। सूरत से मुंबई ट्रेन से, वह मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन से शराब खरीदता था और भरता था यह एक यात्रा बैग में वह बोतलों को बिक्री के लिए सूरत लाता था और वराछा सहित क्षेत्रों में छोटे पैमाने पर शराब बेचकर अतिरिक्त आय उत्पन्न करता था।

रेलवे पुलिस ने जौहरी को दबोचा रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूरत रेलवे की स्थानीय अपराध शाखा यात्रियों की जांच कर रही थी. इसी दौरान सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के बीच में नए स्पीड पार्सल कार्यालय से दो ट्रेवल बैग लेकर गुजर रहे कौशिक को खड़े होकर तपस का शिकार होना पड़ा.तपस के दौरान भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई. कपड़े।

पुलिस ने उसके पास से अलग-अलग सामान बरामद किया। ब्रांड की 38 बोतल विदेशी शराब जब्त की गई। पुलिस जांच के दौरान, यह पाया गया कि कौशिक बीकानेर एक्सप्रेस में विदेशी शराब लाया था।

वह एक पर्यटक के रूप में एक यात्रा बैग में शराब ला रहा था उन्होंने महाराष्ट्र के मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन से शराब खरीदी थी। अब रेलवे पुलिस ने कौशिक को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी कार्रवाई की है।

सूरत के एलपी सवानी रोड पर फिर फंस गई कार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के रांदेर अंचल में एलपी सवानी रोड पर एक बार फिर बड़ा हादसा टल गया है. नगर पालिका ने आनन-फानन में सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया। खाली सड़क निर्माण के 15 मिनट बाद ही वाहनों को फंसाने वाली नगर पालिका के प्रदर्शन पर सवाल खड़े हो गए हैं।

दो दिन पहले सूरत नगर निगम के रांदेर अंचल में पालनपुर से एलपी सवानी मार्ग पर बड़ा भूस्खलन हुआ था। इस जमीन की मरम्मत का काम नगर पालिका ने किया था। नगर पालिका ने सड़क का निर्माण कर गड्ढा भी पूरा कर लिया है। सड़क का निर्माण पूरा होने और 15 मिनट के भीतर एक कार जा रही थी और फंस गई। अचानक कार गड्ढे में फंस गई और अफरा-तफरी मच गई। कार के गड्ढे में फंस जाने से सड़क पर जाम लग गया। नगर पालिका द्वारा सड़क निर्माण के 15 से 20 मिनट के अंदर फिर से गड्ढे हो जाने पर नगर पालिका के कार्य पर कई सवाल उठे हैं।

स्कूल सत्र शुरू होने के तीन महीने बाद भी कांग्रेस को वर्दी, जूते और दस्ताने नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सत्र शुरू होने के तीन महीने बाद भी कांग्रेस ने सूरत के पुना गांव के शिक्षा समिति स्कूल में जूते-चप्पल नहीं मिलने का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की बात करती है और आप शिक्षा की बात करती है लेकिन ये दोनों दल भाई हैं। वे अभी तक कमेटी के छात्रों को यूनिफॉर्म या जूते नहीं दे रहे हैं. अगर इन छात्रों को अगले दस दिनों में जूते या वर्दी नहीं दी गई तो उन्होंने चेतावनी दी है कि वे अपने माता-पिता के साथ आंदोलन करेंगे. सूरत के पुणे क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं ने आज इस बात पर विरोध प्रदर्शन किया कि पुणे क्षेत्र के स्कूलों में छात्रों को अभी तक जूते, दस्ताने और वर्दी नहीं मिली है। शिक्षा समिति के पूर्व सदस्य सुरेश सुहागिया ने इसका विरोध करते हुए कहा कि हालांकि शिक्षा समिति के स्कूलों में सत्र कुछ समय बाद खत्म होने वाला है, लेकिन पुणे समेत कई स्कूलों में अभी तक यूनिफॉर्म और बूट मोजे नहीं मिले हैं. भाजपा सत्ता में है और आम आदमी पार्टी, समय-समय पर केवल फोटो सेशन करती है, शिक्षा के मामले में अपना मुंह बंद कर लेती है, क्योंकि सत्ताधारी और विपक्षी दल दोनों अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और बच्चों के हितों की उपेक्षा कर रहे हैं।.

पूर्व पार्षद दिनेश सावलिया ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की फोटो जीवी पार्टी की है और बीजेपी और आप दोनों भाइयों की भूमिका में हैं.

सरोली की बाजार परियोजनाओं में सैकड़ों व्यापारियों ने भारी मात्रा में निवेश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सरोली-पर्वत पाटिया क्षेत्र के अधूरे कपड़ा बाजारों में पिछले 8-10 साल से बड़ी संख्या में दलाल , व्यापारी व निवेशक फंसे हुए हैं . व्यथित निवेशकों का व्हाट्सएप जीपी बनता जा रहा है। अब तक यह संख्या 2000 को पार कर चुकी है । व्यापारियों और निवेशकों के लिए अभी सबसे बड़ा सवाल बुकिंग के समय कैश जमा करने का है। पंजीकरण के लिए बिल्डर्स रुपये प्रति वर्ग फुट। 2000-2500 की मांग की गई , जबकि कई दलाल-डीलरों ने चेक जारी करके नकद वापस मांगा। लेकिन कोई भी बिल्डर व्यापारियों या निवेशकों को पैसा वापस करने को तैयार नहीं है । कपड़ा बाजार में खरीदारी

या निवेश करने वाले पीड़ितों के लिए संघर्ष समिति बनाकर अब बिल्डर बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए दलालों को अग्रिम रूप से बुलाने के लिए तैयार हैं।

2017 में जब जीएसटी कानून लागू हुआ तो व्यापारियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। काम ठप हो गया। इसी अवधि के दौरान बिल्डरों ने सरोनी और पर्वत पाटिया क्षेत्रों में कपड़ा बाजार परियोजनाएं लगाईं। कई निवेशकों , एजेंटों और व्यापारियों ने बुकिंग की। अब हर कोई अभिभूत है।

नवनिर्मित कपड़ा बाजारों के बिल्डरों ने निवेशकों , दलालों और व्यापारियों को नकदी के साथ डायरी दी है । बिल्डर्स कभी भी डायरी में सही आंकड़े नहीं लिखते हैं। 10 लाख की राशि लेने के बाद वह लिखता है कि 10 हजार ही मिले हैं। कई निवेशकों और दलालों के पास 5 से 20-25 डायरियां कहीं भी होती हैं। आधी राशि का वितरण किया जा चुका है , लेकिन परियोजना आज तक अधूरी है।